दैनिक

खबरों के सच का निर्भीक आइना

कीर्तिप्रभा

रीवा ■ भोपाल से एक साथ

वर्ष: 28, अंक: 143 पृष्ठ 12, रीवा

गुरुवार 12 फरवरी 2026

मूल्य: 3.00 रुपए

कांग्रेस से गठबंधन रहेगा, सत्ता-साझाकरण व्यवस्था तमिलनाडु के लिए उपयुक्त नहीं- स्टालिन

-कुछ कांग्रेसी नेताओं ने डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री पद की उठाई थी मांग

नई दिल्ली,। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने बुधवार को कांग्रेस और अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, क्योंकि राज्य में इस साल के अंत में चुनाव होने वाले हैं। स्टालिन ने कांग्रेस जैसे डीएमके के सहयोगियों के साथ किसी भी प्रकार के साझा शासन को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। हाल ही में कांग्रेस के अंदर कुछ नेताओं ने डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री पद की मांग उठाई थी। स्टालिन ने कहा कि सत्ता-साझाकरण व्यवस्था तमिलनाडु के लिए उपयुक्त नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्टालिन ने कहा कि शासन में हिस्सेदारी की मांग तमिलनाडु पर लागू नहीं होती। वे इसे हमसे बेहतर जानते हैं। यह नारा उन लोगों की सोची-समझी साजिश है जो हमें एकजुट नहीं देख सकते। तमिलनाडु के सीएम ने संकेत दिया कि राज्य में चुनाव होने पर कांग्रेस सहयोगी बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि हमारा गठबंधन सौहार्दपूर्ण है। मीडिया जानबूझकर कुछ अनावश्यक धारणाएं बना रहा है।

सीएम स्टालिन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ अपने संबंधों को दोनों पार्टियों के बीच निरंतर गठबंधन का एक अहम तत्व बताया। राहुल गांधी ने डीएमके नेता कनिमोझी से बातचीत करके गठबंधन में तनाव कम करने में अग्रणी भूमिका निभाई है ताकि कांग्रेस डीएमके के साथ बनी रहे।

अब अमेरिका तय करेगा हम किससे तेल खरीदेंगे, क्या हमारे फैसले वह लेगा

-लोकसभा में राहुल गांधी बोले- आपने हमारी भारत मां को बेच दिया, आपको कोई शर्म नहीं

नई दिल्ली,लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा है कि देश को बेचकर इन्हें शर्म नहीं आती है। उन्होंने कहा कि भारत के फैसले अमेरिका कैसे ले रहा है। राहुल ने कहा कि अब अमेरिका तय करेगा कि हम किससे तेल खरीदेंगे। अमेरिका हमारे पास आएगा और कहेगा, आप फलां-फलां से तेल खरीदिए। क्या हमारे फैसले अब अमेरिका लेगा। हमारा फैसला प्रधानमंत्री नहीं करेंगे।

लोकसभा में बेहद गरमागरम बहस के बीच राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने अमेरिका को ये सब कैसे करने दिया। राहुल गांधी ने कहा कि आप खुद कहते हैं कि एनर्जी और फाइनेंस वेपनाइज़ेशन है और आपने अमेरिकियों को हमारे फाइनेंस और हमारी एनर्जी को हमारे खिलाफ हथियार बनाने की इजाजत दी है। इसका क्या मतलब है जब अमेरिका कहता है कि आप इसे नहीं खरीद सकते। किसी खास देश से तेल नहीं खरीद सकते तो इसका मतलब है कि हमारी एनर्जी वेपनाइज्ड है। राहुल ने कहा कि जब वे कहते है, आपके टैरिफ कम हो जाएंगे। हमारे टैरिफ कम हो जाएंगे और आपके बढ़ जाएंगे। इसका मतलब है कि फाइनेंस, ट्रेड वेपनाइज्ड है। तो आप हमें बता रहे है कि दुनिया एक ऐसी जगह है जहां जियोपॉलिटिकल कॉम्प्लिकेट बढ़ रहा है। आप हमसे कह रहे हैं कि एनर्जी और फाइनेंस को हथियार बनाया जाएगा और फिर आप अपने साथ ऐसा करवा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि आपने इंडिया को बेच दिया है। क्या आपको इंडिया बेचने में शर्म नहीं आती? आपने हमारी भारत मां को बेच दिया है। आपको कोई शर्म नहीं है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर इंडिया अलायंस ट्रंप से डील करता तो हम भारत के हितों का पक्का ख्याल रखते। राहुल ने कहा कि अगर हम ट्रंप से बात करते तो हम कहते कि राष्ट्रपति ट्रंप अगर आप अपना डॉलर बचाना चाहते हैं तो ये अच्छी बात है, हम आपके दोस्त हैं, हम आपको आपके डॉलर बचाने में मदद करना चाहते हैं, लेकिन याद रखिए, अगर आप अपना डॉलर बचाना चाहते हैं तो सबसे बड़ी दौलत जो डॉलर को बचा सकती है वो है भारतीय लोगों के साथ रहना।

दूसरी बात हम ट्रंप को यह कहते कि देखिए मिस्टर प्रेसिडेंट यदि आप भारतीयों के डाटा तक पहुंच चाहते हैं तो पहली बात यह है कि आपको हमारे साथ बराबरी के स्तर पर बात करनी पड़ेगी।

देश की सबसे अमीर नगर निगम पर बीजेपी का कब्जा, रितु तावड़े बनीं महापौर

मुंबई,। बीजेपी पार्षद रितु तावड़े बृहन्मुंबई नगर निगम की निर्विरोध महापौर चुनी गई हैं। पिछले चार दशकों में यह पहली बार है जब बीजेपी इस पद पर पहुंची है। शिवसेना (यूबीटी) द्वारा उम्मीदवार न उतारने के फैसले के बाद चुनाव निर्विरोध हो गया, जिससे मुंबई के सबसे धनी नगर निकाय पर ठाकरे परिवार का 25 साल का वर्चस्व खत्म हो गया। शिवसेना नेता संजय घड़ी उप महापौर चुने गए हैं।

मोतिहारी में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पेड़ से टकराई, तीन की मौत

मोतिहारी बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की घटनास्थल पर मौत हुई। ये सभी लोग शादी समारोह में भाग लेने जा रहे थे। सभी एक ही परिवार के सदस्य थे। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा ढाका-घोड़ासहन मुख्य पथ पर महादेवा के समीप हुआ, जहां एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो पेड़ से टकरा गई। घटना में वाहन सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हुई।

बम धमाके की धमकी के बाद टली पप्पू यादव की जमानत पर सुनवाई, तीन जिलों की अदालतें रहीं बंद

पटना,। बुधवार सुबह आए एक धमकी भरे ईमेल ने बिहार के तीन जिलों- पटना, दानापुर और किशनगंज की अदालतों की कार्यवाही तय कर दी। ईमेल में दोपहर 1 बजे पांच धमाकेओं की चेतावनी दी गई थी और भड़काऊ नारे लिखे थे। सूचना मिलते ही प्रशासन ने एहतियातन सिविल कोर्ट परिसरों को खाली करा लिया और आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी। सैकड़ों वादकारी और अधिवक्ता अदालत परिसरों के बाहर इंतजार करते रहे, जबकि कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई स्थगित करनी पड़ी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र, दिल्ली सरकार, पुलिस को दिया नोटिस

नई दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बढ़ते गुमशुदगी के मामलों को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र, दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) को नोटिस दे दिया है। चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने लापता व्यक्तियों की लगातार बढ़ती संख्या पर चिंता जताकर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई के दौरान संबंधित अधिकारियों से एक सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने को कह दिया है।

अब राष्ट्रगान से पहले गाया जाएगा वंदे मातरम, खड़े होना रहेगा अनिवार्य

नई दिल्ली, केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनका उद्देश्य राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान और एकरूपता सुनिश्चित करना है। नए नियमों के अनुसार, अब आधिकारिक कार्यक्रमों में राष्ट्रगान के पहले वंदे मातरम के छह छंदों का गायन अनिवार्य होगा। इस दौरान उपस्थित सभी व्यक्तियों के लिए सम्मानपूर्वक खड़ा होना अनिवार्य कर दिया गया है। सरकार द्वारा तय किए गए मानकों के अनुसार, इस गीत की कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकंड निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त, नियमों में यह स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी विशेष अवसर पर राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत दोनों का एक साथ गायन किया जाना है, तो ऐसी स्थिति में वंदे मातरम का गायन पहले किया जाएगा।

सरकार ने उन विशिष्ट अवसरों और कार्यक्रमों की सूची भी साझा की है जहां वंदे मातरम का गायन अनिवार्य होगा। इनमें ध्वजारोहण समारोह, आधिकारिक कार्यक्रमों में राष्ट्रपति और राज्यपालों के आगमन से पूर्व तथा उनके प्रस्थान के पश्चात का समय शामिल है। इसके अलावा, पद्म पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान समारोहों के दौरान भी राष्ट्रगीत का गायन अनिवार्य किया गया है। इन नियमों के माध्यम से राष्ट्रीय गरिमा को सुव्यवस्थित करने का प्रयास किया गया है। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो वंदे मातरम की रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा स्वतंत्र रूप से की गई थी, जिसे बाद में उनके 1882 में प्रकाशित प्रसिद्ध उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया गया। इस गीत का गौरवशाली इतिहास रहा है; इसे पहली बार 1896 में कलकत्ता के कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा स्वरबद्ध किया गया था। राजनीतिक नारे के रूप में इसका प्रभाव 7 अगस्त 1905 को बंगाल विभाजन विरोधी आंदोलन के दौरान पहली बार व्यापक स्तर पर देखा गया। देश की स्वतंत्रता के पश्चात, 1950 में संविधान सभा ने आधिकारिक तौर पर इसे भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया।

ब्रिटिश शासन काल में वंदे मातरम देशभक्ति का इतना शक्तिशाली प्रतीक बन गया था कि तत्कालीन सरकार ने इसे दबाने की हरसंभव कोशिश की। ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार, पूर्वी बंगाल प्रांत की तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों में इसके गायन पर प्रतिबंध लगा दिया था और उल्लंघन करने वाले छात्रों को सरकारी नौकरियों से वंचित करने तथा स्कूलों की मान्यता रद्द करने जैसी धमकियां दी थीं। वर्ष 1905 में रंगपुर के 200 छात्रों पर केवल वंदे मातरम गाने के कारण जुर्माना लगाया गया था। इसी तरह, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में भी वंदे मातरम का उद्घोष करने वाले प्रदर्शनकारियों और युवाओं पर पुलिसिया दमन की कई घटनाएं दर्ज है।

मांगों को लेकर एम्प्लॉइज एंड वर्कर्स की आज देशव्यापी हड़ताल

नई दिल्ली, 8वां केंद्रीय वेतन आयोग औपचारिक रूप से गठित किया जा चुका है और तय समय सीमा के अंदर अपनी सिफारिशें देगा। राज्यसभा में पूछे गए सवालों के लिखित जवाब में वित्त मंत्रालय ने बताया है कि 3 नवंबर 2025 को आयोग के गठन की अधिसूचना जारी कर दी गई थी। सांसदों ने सरकार से जानना चाहा था कि आयोग किन-किन मुद्दों की समीक्षा करेगा और उसकी सिफारिशें लागू होने की संभावित समय-सीमा क्या होगी। वर्कर्स ने गुरुवार 12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। मीडिया रिपोर्ट में सरकार के मुताबिक 8वां वेतन आयोग केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतनमान, भत्ते, पेंशन ढांचे और सेवा शर्तों की समीक्षा करेगा। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि आयोग को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए 18 महीने का समय दिया गया है। हालांकि, सरकार ने यह नहीं बताया है कि सिफारिशें लागू करने का रोडमैप क्या होगा या कोई चरणबद्ध योजना तैयार की गई है या नहीं।

संसद में यह सवाल भी उठा कि 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होने से केंद्र सरकार के बजट पर कितना बोझ पड़ेगा। इस पर सरकार ने कहा कि फिलहाल लागत का आकलन करना संभव नहीं है। आयोग की सिफारिशें आने और सरकार द्वारा उन्हें स्वीकार किए जाने के बाद ही वास्तविक वित्तीय प्रभाव का अंदाजा लगाया जा सकेगा। इसका मतलब है कि बजटीय योजना आयोग की अंतिम रिपोर्ट के बाद ही बनेगी। इधर, कर्मचारी संगठनों ने सरकार पर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। कन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लॉइज एंड वर्कर्स ने गुरुवार 12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। उनकी मांगों में 20फीसदी अंतरिम राहत, 50फीसदी महंगाई भत्ते का मूल वेतन में विलय और एनपीएस खत्म कर पुरानी पेंशन योजना लागू करना शामिल है। ऐसे में संसद के अंदर सवालों और सड़कों पर बढ़ते दबाव के बीच 8वें वेतन आयोग की कार्यवाही पर सबकी नजरें हैं।

योगी सरकार ने पेश किया 9.12 लाख करोड़ का बजट, 10 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बुधवार को अपने दूसरे कार्यकाल का अंतिम और कुल मिलाकर 10वां बजट विधानसभा में पेश किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सुबह 11 बजे विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 9 लाख, 12 हजार, 696 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया। यह बजट पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 12.9 प्रतिशत अधिक है। बजट पेश करने से पहले वित्त मंत्री ने पारंपरिक रूप से टैबलेट के साथ पूजा-अर्चना की।

वित्त मंत्री खन्ना ने अपने बजट भाषण में प्रदेश की आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय में निरंतर वृद्धि हुई है। औद्योगिक विकास का उल्लेख करते हुए सुरेश खन्ना ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माण केंद्र बन चुका है और देश के कुल मोबाइल फोन उत्पादन का 65 प्रतिशत उत्पादन प्रदेश में हो रहा है। इसे राज्य की औद्योगिक नीतियों की सफलता बताया गया। कृषि क्षेत्र में उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए वित्त मंत्री खन्ना ने कहा कि कृषि उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश में नंबर-1 है। गन्ना किसानों के हित में सरकार द्वारा अब तक 3,04,321 करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान किया गया है, जो पूर्व के 22 वर्षों के संयुक्त भुगतान से 90,802 करोड़ रुपये अधिक है। पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति कुंतल की वृद्धि की गई है, जिससे किसानों को लगभग 3,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। रोजगार के मोर्चे पर सरकार ने 10 लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। मिशन रोजगार के तहत राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में 1,939 प्रवक्ता, 6,808 सहायक अध्यापक और 219 प्रधानाचार्यों सहित कुल 8,966 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।

एससी-एसटी वर्ग के संपन्न लोग आरक्षण से बाहर.....सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जबाव

नई दिल्ली देश की सर्वोच्च अदालत ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को लेकर बड़ा कदम उठा दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की मोदी सरकार से रिपोर्ट मांगी है कि उस संविधान बेंच के फैसले के बाद क्या कार्रवाई हुई है, जिसमें एससी और एसटी के आरक्षण को कोटा के भीतर कोटा बनाने की मंजूरी दी गई थी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने पर भी जोर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने उन याचिकाओं पर सुनवाई कर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति के आरक्षण से क्रीमीलेयर को बाहर करने के लिए मानदंड निर्धारित करने की मांग हुई है। बता दें कि ओपी शुक्ला और समता आंदोलन समिति के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके एससी-एसटी आरक्षण से क्रीमीलेयर करने की मांग गई है, जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में सात जजों के द्वारा दिए गए फैसले पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने एक अगस्त 2024 को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को लेकर बड़ा फैसला दिया था। डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस पंकज मिथल, जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने एससी-एसटी आरक्षण को श्रेणी में बांटने का अधिकार राज्य सरकार दिया था। एससी और एसटी के लोगों के बीच समान प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकारों को एससी-एसटी के आरक्षण को वर्गीकरण करने यानि कोटा के भीतर कोटा बनाने की मंजूरी दी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सब कैटेगिरी का आधार उचित होना चाहिए। इसके साथ ही संवैधानिक पीठ ने एससी-एसटी आरक्षण में भीत्रीमीलेयर को लागू करने की बात कही थी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को लागू करने की मांग को लेकर शुक्ला और समता आंदोलन समिति ने सर्वोच्च अदालत में याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट टिप्पणी को आधार बनाकर केंद्र और राज्यों को दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है, केंद्र और राज्य उन मानदंडों को तय करें जिनके आधार पर एससी-एसटी वर्ग के संपन्न लोगों को आरक्षण से बाहर रख सके, ताकि वास्तव में वंचित समूहों को इसका लाभ मिले। याचिकाओं में निश्चित समय सीमा तय करने की भी मांग की गई है ताकि अधिक पिछड़े उप-समूहों को जल्द से जल्द प्राथमिकता मिल सके।

अमेरिका ने लिया यू-टर्न, ट्रेड डील की प्रमुख शर्तों में गुपचुप किए बदलाव

फैक्टशीट में प्रोडक्ट कैटेगरी की सूची से एग्रीकल्चरल शब्द भी हटाया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर सहमति बनने के बाद अमेरिका ने मंगलवार को एक फैक्ट शीट जारी कर समझौते की प्रमुख शर्तें बताई थीं। अब एक दिन बाद ही वाइट हाउस ने यू-टर्न लिया है। वाइट हाउस ने समझौते की प्रमुख शर्तों में गुपचुप तरीके से बदलाव किया है। खास बात यह है कि नई शर्तों में लिखी बातें भारत के हक में है। शब्दों में भी हेरफेर की गई है। एग्रीमेंट का सबसे अहम हिस्सा कि भारत अमेरिका से 500 बिलियन से ज्यादा के उत्पाद खरीदने के लिए ऋतिबद्धज् है, को बदलकर भारत इस मूल्य के अमेरिकी उत्पाद खरीदने का चाहादा रखता हैज् कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की तरफ से जारी संशोधित दस्तावेज में कहा गया है कि भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं व अमेरिकी खाद्य और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क समाप्त या कम करेगा, जिनमें ब्लड डिस्टिलर्स ग्रेन्स, रेड सोरघम, ट्री नट्स, ताजे व प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट और अन्य उत्पाद शामिल हैं। इसमें आगे कहा गया है कि भारत अधिक अमेरिकी उत्पाद खरीदने और 500 अरब डॉलर से अधिक की अमेरिकी ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, कोयला और अन्य उत्पादों की खरीद का इरादा रखता है। पहले चहादाज् शब्द की जगह ऋतिबद्ध हैज् लिखा गया था इसके अलावा वाइट हाउस ने एक अहम बदलाव भी किया है। समझौते पर जारी संशोधित दस्तावेज में उन अमेरिकी उत्पादों की सूची से दालों का जिक्र हटा दिया है जिन पर भारत के शुल्क समाप्त करने या कम किए जाने की बात कही थी। फैक्टशीट में प्रोडक्ट कैटेगरी की सूची से एग्रीकल्चरल शब्द भी हटा दिया है। बता दें मंगलवार को जारी फैक्टशीट में कहा गया था कि भारत सभी अमेरिकी इंडस्ट्रियल उत्पादों और अमेरिका के कई तरह के फूड आइटम्स और कृषि उत्पादों पर टैरिफ खत्म कर देगा या कम कर देगा, जिसमें सूखे डिस्टिलर्स ग्रेन, लाल ज्वार, ट्री नट्स, ताजे और प्रोसेस्ड फल, कुछ दालें, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट्स, और दूसरे प्रोडक्ट्स शामिल हैं। हालांकि आज हुए बदलावों में इस सूची से कुछ दालों का जिक्र हटा दिया गया है।

एक अन्य बदलाव में ऑरिजिनल फैक्टशीट में लिखा था कि भारत अपने डिजिटल सर्विस टैक्स हटा देगा और डिजिटल ट्रेड में भेदभाव वाली प्रक्रिया और दूसरी रुकावटों को दूर करने वाले मजबूत बाइलेटरल डिजिटल ट्रेड नियमों पर बातचीत करने के लिए कमिटेड है। हालांकि, नई फैक्टशीट में यह नहीं बताया गया है कि भारत अपने डिजिटल सर्विस टैक्स हटा देगा। इसके बजाय इसमें कहा गया है कि भारत ने मजबूत बाइलेटरल डिजिटल ट्रेड नियमों पर बातचीत करने का वादा किया है।

दीया कुमारी ने पेश किया बजट ..... स्कूली बच्चों को खेल किट और जादुई पिटारा भी देगी भजनलाल सरकार

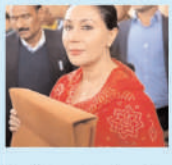

जयपुर,। राजस्थान की भजनलाल सरकार में उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दीया कुमारी ने बुधवार (11 फरवरी) को लगातार तीसरा फुल बजट पेश किया। करीब 2 घंटे 54 मिनट के बजट भाषण में दीया कुमारी ने सरकारी कर्मचारियों, किसानों के साथ हेल्थ सेक्टर, पेयजल, ट्रांसपोर्ट सेक्टर में कई घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि 8वें वेतन आयोग के लिए हाईपावर कमेटी बनेगी। प्रदेश में परीक्षाओं के लिए नई टेस्टिंग एजेंसी का भी बजट में ऐलान हुआ है। भजनलाल सरकार स्कूली बच्चों को खेल किट और जादुई पिटारा भी देगी।

जिन मरीजों के पास डॉक्यूमेंट्स नहीं है, उन्हें भी अब राजस्थान में फ्री इलाज मिलेगा। बजट में मुख्यमंत्री लखपति दीदी योजना में अब कर्ज की सीमा को 1 से बढ़ाकर 1.50 लाख किया है।

भारत में हाई-एंड बाइक्स की मांग अब भी सीमित

नई दिल्ली। भारत के प्रीमियम मोटरसाइकिल सेगमेंट हाई-एंड बाइक्स की मांग अब भी सीमित है। हार्ले डेविडसन जैसी दिग्गज कंपनी भी इससे उबर नहीं पा रही है। हालिया रिपोर्ट बताती है कि अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच हार्ले डेविडसन इंडिया ने 800सीसी से 1600सीसी सेगमेंट में सिर्फ 97 मोटरसाइकिलें बेचीं। यह आंकड़ा सालाना आधार पर मात्र 1 प्रतिशत की मामूली बढ़त दर्शाता है। नाइटस्टर, स्पोर्टस्टर स और पैन अमेरिका जैसे मॉडल युवाओं को ध्यान में रखकर लॉन्च किए गए थे, लेकिन बिक्री में बड़ा उछाल नहीं दिखा।

मुकेश अंबानी की रिलायंस कंज्यूमर ने तमिलनाडु की प्रसिद्ध मान्ना का किया अधिग्रहण

मुंबई। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट ने तमिलनाडु की प्रसिद्ध मान्ना का अधिग्रहण किया है। रिलायंस ग्रुप की तरफ से इसकी जानकारी मंगलवार को दी गई है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का पोर्टफोलियो मान्ना के अधिग्रहण के बाद फूड सेगमेंट में और मजबूत हो जाएगा। आरसीपीएल के सेगमेंट में धायम, इंडिपेंड और सिल शामिल है। बता दें आरसीपीएल की मौजूदगी मोटा आनाज आधारित हेल्थ फूड सेगमेंट में बढ़ा है।

बीएलएस कंपनी ने किया अपने शेयरधारकों को 200 फीसदी का डिविडेंड देने का ऐलान

नई दिल्ली। एआई और टेक सेक्टर से जुड़ी कंपनी बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों को 200 फीसदी का अंतरिम डिविडेंड देने का ऐलान किया है यानी हर इक्विटी शेयर पर 2 रुपए। कंपनी इस बार कुल 82.35 करोड़ रुपए डिविडेंड के तौर पर बांटेगी। बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड के मुताबिक यह अब तक का सबसे बड़ा अंतरिम डिविडेंड है। कंपनी के मुताबिक यह फैसला कंपनी की मजबूत आर्थिक स्थिति और बेहतर कैश फ्लो की वजह से लिया गया है।

सोने चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने चांदी में तेज शुरुआत रही। दोनो कीमती धातुओं के वायदा कारोबार में आज बढ़त रही। घरेलू बाजार में आज सोने की वायदा कीमतें 1,57,950 रुपये जबकि चांदी की 2,59,200 रुपये के आसपास रहीं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी में बढ़त रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत अच्छी रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध आज 1,633 रुपये बढ़कर 1,58,436 रुपये के स्तर पर खुला।

शेयर बाजार सपाट बंद हुआ

सेंसेक्स 40 अंक गिरा, निफ्टी 18 अंक उछला

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को सपाट बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से अच्छे संकेतों के बाद भी बाजार में मिला-जुला कारोबार देखा गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएससई सेंसेक्स ने एक तय दायरे में कामकाज किया और अंत में यह 40.28 अंक नीचे आकर 84,233.64 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 18.70 अंक की हल्की बढ़त लेकर 25,953.85 पर बंद हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार घरेलू शेयर बाजार की नजर तिमाही परिणामों पर लगी है। इसलिए सीमित दायरे में कामकाज हुआ। आज ऑटो और हेल्थ सेक्टर में तेजी रही जबकि आईटी में गिरावट रही। दुनिया भर में बिकवाली के माहौल से भी बाजार पर दबाव पड़ा। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में गिरावट रही।

सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस के शेयर सबसे ज्यादा 2.46 फीसदी टूटे। इन्फोसिस, एचसीएल टेक, इटरनल, आईटीसी, टेक महिंद्रा, टाइटन और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी गिरे। दूसरी ओर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के शेयर उछले। मारुति सुजुकी और ट्रेंट के शेयर भी आज बढ़े। ब्रोडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में बढ़त रही। सेक्टोरल मोर्चे पर निफ्टी हेल्थकेयर सेक्टर में सबसे अधिक 1.62 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी ऑटो में 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई। जबकि निफ्टी आईटी सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा। इसमें 1.76 फीसदीत की गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ खुला।

सुबह सेंसेक्स 84,339 अंक पर खुला। सुबह खुलने के बाद इसमें में तेजी देखने को मिली। सुबह ये की बढ़त के साथ 84,413.21 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं इसी तरह निफ्टी सुबह ये 55.75 अंक की फीसदी की बढ़त के साथ ही 25,990.90 पर कामकाज कर रहा था। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में सुबह तेजी रही। जापान का निक्केई इंडेक्स बढ़त के साथ उछला। वहीं ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के बाजारों में भी बढ़त देखी गई। एशियाई बाजारों की यह बढ़त ऐसे समय में दिखी जब मेरिकी बाजारों में मिश्रित रुख रहा।

अमेरिकी बाजारों में गत दिवस एसएंडपी 500 और नैस्डैक नीचे आया जबकि डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज लगातार तीसरे दिन उछाल के साथ बंद हुआ। अब निवेशकों की नजर अमेरिका के आने वाले लेबर मार्केट डेटा पर टिकी हुई है।घरेलू बाजार में आज का दिन तिमाही परिणामों के लिए अहम है। महिंद्रा एंड महिंद्रा, डिवीज लैब्स, अशोक लेलैंड, मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज, पार्तजलि फूड्स, एसजेवीएन, एस्ट्राजेनेका फार्मा, किर्लोस्कर ऑयल इंजन, टीवीओ टेक, बायर क्रॉपसाइंस, अमारा राजा एनर्जी, अवंती फीड्स, आईआरकॉन, जुपिटर वैगन्स, पीएंडजी हेल्थ, मिसेज बेक्टर्स फूड्स सहित कई कंपनियां आज अपने तीसरी तिमाही के परिणाम घोषित करेंगी।

भारत डिजिटल सेवा कर को खत्म कर देगा अन्य बाधाएं भी करेगा दूर!

ट्रेड डील को लेकर अमेरिका ने एक फैक्ट शीट में किया दावा

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के संदर्भ में अमेरिका की ओर से जारी एक फैक्ट शीट के मुताबिक भारत ने द्विपक्षीय डिजिटल व्यापार नियमों पर बातचीत का वादा किया है। इसमें ई-कॉमर्स इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर लगने वाले सीमा शुल्क पर रोक संबंधी नियम भी शामिल है। इस फैक्ट शीट को मंगलवार को जारी किया गया था। उसमें यह भी कहा गया है कि भारत डिजिटल सेवा कर को खत्म कर देगा। उसने द्विपक्षीय डिजिटल व्यापार के मजबूत नियमों पर बातचीत करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। ये नियम भेदभावपूर्ण अथवा बोझिल चलन और डिजिटल व्यापार की अन्य बाधाओं को दूर करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निश्चित तौर पर भारत ने अमेरिका की व्यापार चिंताओं को दूर करने के लिए विदेशी कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली ऑनलाइन विज्ञापन सेवाओं पर 6 फीसदी डिजिटल सेवा कर या इक्वलाइजेशन लेवी को 1 अप्रैल से खत्म कर दिया है, लेकिन भारत सरकार के अधिकारियों ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या अमेरिका के बयान का मतलब यह समझा जाए कि भारत ने भविष्य में भी इस तरह का कर न लगाने की प्रतिबद्धता जताई है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील को अंतिम रूप देने के संबंध में एक संयुक्त बयान के बाद अमेरिका की ओर से यह फैक्ट शीट जारी की गई है। उसमें कहा गया है कि रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने की भारत की प्रतिबद्धता के मद्देनजर उस पर लगाए गए 25 फीसदी टैरिफ को हटा दिया गया है। भारत पर जवाबी शुल्क को भी घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया और इसके जल्द ही लागू होने की उम्मीद है।

फिलहाल यह साफ नहीं हो सका है कि भारत वास्तव में इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क हटाने के लिए तैयार है या नहीं, लेकिन अमेरिका का दावा है कि इसके लिए नियम बनाए जाएंगे। व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अगर अमेरिकी दबाव में झुक जाता है तो विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में इस मुद्दे पर उसकी स्थिति कमजोर हो जाएगी।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील से फार्मा सेक्टर होगा मजबूत, दोनों देशों को मिलेगा फायदा

सस्ती दवा निर्माण की वजह से अमेरिकी बाजार में अहम सप्लायर बना भारत

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर जहां कई सेक्टरों में अनिश्चितता है, वहीं फार्मा सेक्टर पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रहा है। कम लेबर कॉस्ट और सस्ती दवा निर्माण क्षमता की वजह से भारत अमेरिकी बाजार के लिए एक अहम सप्लायर बना हुआ है। ऐसे में अमेरिका की भारत पर निर्भरता पहले से ही मजबूत रही है, जो इस ट्रेड डील के बाद और बढ़ने की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जोटा हेल्थकेयर के चेयरमैन ने कहा कि अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा एफडीए-अप्रूव्ड प्लांट भारत में हैं। भारत से बड़ी मात्रा में जेनरिक दवाएं, लाइफ सेविंग और क्रॉनिक बीमारियों की दवाएं अमेरिका को निर्यात की जाती हैं। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील के तहत भारत को एक बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक जीत मिली है, क्योंकि अब तक टैरिफ के मामलों में अमेरिका शायद ही कभी झुका हो, लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में प्रोटोकॉल के जरिए संतुलित और लाभकारी समझौता संभव हुआ है। इस डील से दोनों देशों को फायदा मिलेगा। उन्होंने बताया कि भारत से अमेरिका को मुख्य रूप से लाइफस्टाइल और क्रॉनिक बीमारियों से जुड़ी दवाओं का निर्यात होता है। इनमें डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, थायराइड जैसी बीमारियों की दवाएं हैं, जिनकी मांग अमेरिकी बाजार में लगातार रहती है।

उन्होंने आगे कहा कि यूरोपीय संघ के साथ हुई ट्रेड डील से भी भारत को बड़ा फायदा होगा। इस समझौते के तहत एक्सपोर्ट पर ड्यूटी शून्य कर दी गई है। इससे न सिर्फ दवाओं का निर्यात बढ़ेगा, बल्कि टेक्नोलॉजी और व्यापार का ट्रांसफर भी भारत में होगा। इसके परिणामस्वरूप भारत में दवा निर्माण और सस्ता होगा, जिससे भारतीय मरीजों को भी कम कीमत पर दवाएं मिलेंगी।

लोगों के मन में डर और कन्फ्यूजन कम करने सरकार बना रही नया इनकम टैक्स एक्ट

बदलाव अचानक नहीं होंगे, धीरे-धीरे नए सिस्टम की तरफ बढ़ेगा, 1 अप्रैल से होगा लागू

नई दिल्ली। इनकम टैक्स को लेकर लोगों के मन में डर और कन्फ्यूजन को कम करने की सरकार तैयारी कर रही है। सरकार जल्द ही नए इनकम टैक्स नियमों को नोटिफाई करने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये नियम मार्च के पहले हफ्ते में जारी हो सकते हैं। साथ ही नया नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू हो जाएगा। बता दें नया इनकम टैक्स एक्ट पहले ही पास हो चुका है, लेकिन आम लोगों के लिए असली तस्वीर इन नियमों से ही साफ होगी। सैलरी पाने वाले कर्मचारियों से लेकर निवेशकों और विदेश से कमाई करने कमाने वालों तक, सभी को इन्हीं नियमों के आधार पर अपने टैक्स की प्लानिंग करनी होगी।

सरकार का दावा है कि बदलाव अचानक नहीं होंगे। धीरे-धीरे नए सिस्टम की तरफ बढ़ा जाएगा, ताकि टैक्सपेयर्स पर बेवजह का दबाव न पड़े। आने वाले नियम तय करेंगे कि टैक्स सिस्टम कितना आसान और पारदर्शी है। नए नियमों के साथ टैक्स सिस्टम में बड़ा बदलाव आने वाला है। पुराना फाइनेंशियल ईयर और असेसमेंट ईयर वाला सिस्टम अब खत्म हो जाएगा। अब 'टैक्स ईयर' की बात होगी, जो आमतौर पर 1 अप्रैल से 31 मार्च तक रहेगा। ये बदलाव धीरे-धीरे आएगा, मतलब पहले कमाए हुए इनकम पर रिटर्न फाइलिंग में कोई बड़ा झटका नहीं लगेगा। सरकार का मकसद साफ-सुथरा और आसान सिस्टम बनाना है। नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे, लेकिन पहले साल के रिटर्न बाद में जुलाई 2027 में फाइल होंगे। इससे टैक्सपेयर्स को अचानक बदलाव का बोझ नहीं पड़ेगा।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सैलरी पाने वाले लोगों के लिए सबसे अच्छी खबर ये है कि नए नियमों में पर्क्स यानी नौकरी के साथ मिलने वाले फायदों पर साफ नियम बन रहे हैं। जैसे कि कंपनी की तरफ से फ्री या सस्ता घर, कंपनी कार और ड्राइवर, बिजली-पानी-गैस के बिल, क्लब मेंबरशिप, गिफ्ट्स और वाउचर्स आदि पर टैक्स कैसे लगेगा, ये सब साफ होगा। खास तौर पर गिफ्ट्स और वाउचर्स पर नियम साफ हैं। अगर कर्मचारी की तरफ से साल भर में गिफ्ट, वाउचर या टोकन 15,000 रुपए तक हैं, तो टैक्स नहीं लगेगा। इससे ज्यादा हुआ तो टैक्स लगेगा। पहले ये लिमिट कम थी और काफी कन्फ्यूजन रहता था। अब ये यूनिफॉर्म हो जाएगा, जिससे छोटे-मोटे फायदों पर टैक्स के झगड़े कम होंगे।

टाटा पंच ईवी का फेसलिफ्ट वर्जन 20 को होगा लांच

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपनी माइक्रो-एसयूवी टाटा पंच ईवी के फेसलिफ्ट वर्जन को आगामी 20 फरवरी 2026 को लॉन्च कर रही है। नए मॉडल में एक्सटीरियर और इंटीरियर दोनों में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे, जबकि पावरट्रेन पहले जैसा ही रखा गया है। कंपनी पहले ही इसका अपडेटेड मॉडल अनवील कर चुकी है, जिससे ग्राहकों में उत्सुकता और बढ़ गई है। उम्मीद की जा रही है कि फेसलिफ्ट मॉडल की कीमत मौजूदा वेरिएंट्स से अधिक होगी। सबसे बड़ा बदलाव इसके फ्रंट डिजाइन में दिखता है। नई पंच ईवी में क्लोज्ड-ऑफ ग्रिल दी गई है, जो इसे एक विशिष्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी लुक देती है। पिछले मॉडल की तरह हेडलाइट्स को जोड़ने वाला काला ट्रिम अब हटा दिया गया है। एलईडी डीआरएल लाइट बार को भी रिमूव कर दिया गया है, जिससे फ्रंट फेस और भी साफ और आकर्षक नजर आता है। नीचे की ओर हल्के बदलाव किए गए हैं, जिनमें नया स्कफ प्लेट डिजाइन शामिल है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, फेसलिफ्ट मॉडल में 12.3 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जाएगा, जो नेक्सॉन ईवी से लिया गया है। नया अपहोल्स्ट्री थीम और लेवल-2 अडास फीचर्स शामिल होने की भी संभावना है। इसके अलावा 360 डिग्री कैमरा, 10.25 इंच डिजिटल क्लस्टर, वायरलेस चार्जिंग, वेंटिलेटेड सीटें और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स बरकरार रहेंगे। मौजूदा मॉडल की तरह ही इसमें 25केडब्ल्यूएच और 35केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के विकल्प मिलेंगे। छोटा पैक 265 किमी रेंज और 82एचपी पावर देता है, जबकि बड़ा पैक 365 किमी रेंज और 122एचपी आउटपुट प्रदान करता है। साइड प्रोफाइल में सबसे खास अपडेट इसके नए ऐरो-ऑप्टिमाइज्ड अलॉय वील्स हैं, जो नेक्सॉन ईवी से प्रेरित लगते हैं। ये न केवल बेहतर रेंज में मदद करेंगे, बल्कि गाड़ी के लुक में भी प्रीमियम टच जोड़ते हैं। कंपनी ने एक नया सनलिट येलो कलर विकल्प भी पेश किया है।

नई 7-सीटर निसान ग्रेविटी 17 को लांच करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में 7-सीटर कारों की भारी डिमांड को देखते हुए निसान ग्रेविटी को कंपनी 17 फरवरी को लॉन्च करने वाली है। यह निसान की पहली 7-सीटर एमपीवी होगी और भारतीय बाजार में कंपनी की नई रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। निसान ग्रेविटे रेनो ट्राइबर के सीएमएफ-ए प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जिससे इसकी कीमत काफी प्रतिस्पर्धी रहने की उम्मीद है।

ट्राइबर की शुरुआती कीमत 5.76 लाख रुपये है, और ग्रेविटे भी इसी रेंज में लॉन्च हो सकती है। डिजाइन और रंगों की बात करें तो इसे सिग्नेचर टील शेड के साथ ब्लाइट, सिल्वर, ब्लैक और ग्रे विकल्पों में पेश किया जाएगा। पहले जारी किए गए डिजाइन स्केच बताते हैं कि इसमें फ्रंट पर हॉरिजॉन्टल एलईडी डीआरएलएस, क्रोम स्लैट ग्रिल और बोनट पर 'ग्रेविटी' लेटरिंग होगी। पीछे की तरफ स्प्लिट टेल-लैंप और टेलगेट पर हॉरिजॉन्टल इंसर्ट के साथ एक आकर्षक रियर प्रोफाइल मिलेगा। ग्रेविटे में ट्राइबर की तरह 1.0-लीटर पेट्रोल इंजन दिया जाएगा, जिसमें मैनुअल और एएमटी दोनों ट्रांसमिशन विकल्प मिलने की संभावना है। निसान ने इसे अपने सिब्लिंग ट्राइबर से अधिक बोल्ड और मॉडर्न लुक देने के लिए खास एक्सटीरियर डिजाइन एलिमेंट शामिल किए हैं। उल्टे एल-शेप डीआरएलएस, चौड़ी फ्रंट ग्रिल, सिल्वर बंपर इंसर्ट और कनेक्टेड टेल-लैंप डिजाइन इसे एक प्रीमियम अपील देते हैं। इसके अलावा मॉड्यूलर केबिन लेआउट और परिवारों के लिए उपयुक्त कई सुविधा-प्रधान फीचर्स भी संभव हैं। निसान ग्रेविटे कंपनी की मौजूदा कारों मैग्नाइट और एक्स-ट्रेल के साथ लाइनअप को और मजबूत बनाएगी।

फीचर्स की बात करें तो यह एमपीवी अपने सेगमेंट में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कई आधुनिक सुविधाओं के साथ आ सकती है। इसमें सनरूफ, 360-डिग्री कैमरा और 6 एयरबैग जैसे फीचर्स मिलने की उम्मीद है।

देश में बेरोजगारी दर अटूबर-दिसंबर तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले घटी

यह गिरावट ग्रामीण पुरुष और महिला दोनों के लिए बेरोजगारी दर में कमी के कारण आई

नई दिल्ली। भारत में 15 साल और उससे ऊपर के लोगों में बेरोजगारी दर अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले कमी आई है। यह जानकारी सांख्यिकी मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों में दी गई। आधिकारिक आंकड़ों में बताया गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर अक्टूबर-दिसंबर 2025 में घटकर 4 फीसदी हो गई, जो पिछली तिमाही में 4.4 फीसदी थी। यह गिरावट ग्रामीण पुरुष और महिला दोनों के लिए बेरोजगारी दर में कमी के कारण हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक 15 साल और उससे ज्यादा आयु के शहरी व्यक्तियों की बेरोजगारी दर पिछली तिमाही के 6.9 फीसदी की तुलना में घटकर 6.7 फीसदी हो गई। यह गिरावट शहरी पुरुषों की बेरोजगारी दर में कमी के कारण हुई, जो जुलाई-सितंबर के आंकड़े 6.2 फीसदी से घटकर अक्टूबर-दिसंबर 2025 में 5.9 फीसदी हो गई। अक्टूबर-दिसंबर में 15 साल और उससे ज्यादा आयु के व्यक्तियों की समग्र श्रम बल सहभागिता दर बढ़कर 55.8 फीसदी हो गई, जो पिछली तिमाही के 55.1 फीसदी से ज्यादा है। यह रोजगार में वृद्धि को दर्शाता है।15 साल और उससे ज्यादा आयु की महिलाओं की एलएफपीआर में अक्टूबर-दिसंबर 2025 में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई और यह 34.9 फीसदी तक पहुंच गई, जबकि जुलाई-सितंबर 2025 के दौरान यह 33.7 फीसदी थी। रोजगार का एक अन्य सूचक, 15 साल और उससे ज्यादा आयु के व्यक्तियों का श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर), जुलाई-सितंबर 2025 में 52.2 फीसदी से बढ़कर अक्टूबर-दिसंबर 2025 में 53.1 फीसदी हो गया।

यूआईडीएआई तलाश रहा सीड-स्टेज स्टार्टअप्स को फंड देने की संभावनाएं

नई दिल्ली। देश की पहचान प्रणाली आधार को और ज्यादा सुरक्षित, भरोसेमंद और तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) एक नया कदम उठाने की तैयारी में है। यूआईडीएआई अब ऐसे सीड-स्टेज स्टार्टअप्स को फंड देने की संभावना तलाश रहा है, जो आधार और उससे जुड़े उपयोगों पर नए और इनोवेटिव तकनीकी समाधान विकसित कर रहे हैं। यूआईडीएआई के पार्ट-टाइम चेयरपर्सन ने यह जानकारी भारत फिनटेक फोरम में दी।

उन्होंने कहा कि नवाचार किसी एक दिशा से नहीं आता, बल्कि अलग-अलग सेक्टर से उभर सकता है। ऐसे में यूआईडीएआई उन फिनटेक और टेक कंपनियों के साथ साझेदारी करना चाहता है, जो आधार सिस्टम की गुणवत्ता, सुरक्षा और विश्वसनीयता को बेहतर बना सकें। चेयरपर्सन के मुताबिक यूआईडीएआई एक ऐसा सैंडबॉक्स एनवायरनमेंट तैयार करने पर भी काम किया जा रहा है, जहां स्टार्टअप्स अपने तकनीकी समाधानों को वास्तविक परिस्थितियों में टेस्ट कर सकें। इसके साथ ही, एक डायवेस्ट इनवेस्टमेंट फंड बनाने की संभावना पर भी विचार किया जा रहा है, जिससे शुरुआती स्तर के स्टार्टअप्स को पूंजी सहायता दी जा सके।

उन्होंने साफ किया कि यह योजना अभी शुरुआती चरण में है और इसके लिए नियामकीय मंजूरियां जरूरी होंगी। फिलहाल फंड के आकार और समय-सीमा को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूआईडीएआई का कहना है कि आधार आज दुनिया का सबसे बड़ा बायोमेट्रिक डेटाबेस है, जिसके जरिए ऐसे समाधान विकसित किए जा सकते हैं, जिन्हें कोई दूसरा देश दोहरा नहीं सकता।

हॉस्पिटल कंपनी का शेयर 33 फीसदी रिटर्न देगा! अच्छे वैल्यूएशन पर ट्रेड कर रहे शेयर

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार बुधवार को सपाट शुरुआत के साथ खुले। इंडेक्स हैवीवेट रिलायंस इंडस्ट्रीज और ऑटो स्टॉक्स में बढ़त से बाजार को सपोर्ट मिल रहा है जबकि रियल्टी और सरकारी बैंकिंग शेयरों में बिकवाली से बाजार में दबाव पड़ा है। इससे पहले मंगलवार को बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था। बाजार में ब्रोकरेज हॉउस सिटी ने हॉस्पिटल चलाने वाली कंपनी अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज लिमिटेड पर दमदार आउटलुक दिया है। ब्रोकरेज का मानना है कि कंपनी के शेयर फिलहाल अच्छे वैल्यूएशन पर ट्रेड कर रहे हैं।

ब्रोकरेज हॉउस सिटी ने अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज पर 'बाय' रेटिंग दी है। ब्रोकरेज ने स्टॉक पर 9,600 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। इस तरह शेयर 33 फीसदी का रिटर्न दे सकता है। कंपनी के शेयर मंगलवार को 7,220 रुपए पर बंद हुए। ब्रोकरेज के मुताबिक कंपनी का कामकाज मजबूत रहा। तीसरी तिमाही में एबिट्डा से पहले की कमाई में क्रमशः 17 फीसदी और 27 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी हुई। आय 6,500 करोड़ रुपए और कमाई 970 करोड़ रुपए रही। ब्रोकरेज ने बताया कि बढ़ोतरी की अगुवाई अस्पताल कारोबार ने की, जहां आय में 15 फीसदी सालाना वृद्धि दर्ज हुई। यह बढ़ोतरी तब हुई जब नई अस्पताल सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं। अस्पताल कारोबार का मार्जिन 60 आधार अंक बढ़कर 24.5 फीसदी हो गया। प्रदर्शन को अपोलो हेल्थको से भी सहारा मिला, जहां अपोलो 24 घंटों के खर्चों में 12 फीसदी सालाना कमी से मार्जिन में 210 आधार अंकों का सुधार हुआ। सिटी ने कहा कि शेयर का वैल्यूएशन अभी भी आकर्षक है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह अपने पुराने औसत स्तर से नीचे कारोबार कर रहा है। अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयर एक महीने में करीब 5 फीसदी च? गए हैं। तीन और छह महीने में कंपनी का प्रदर्शन करीब सपाट रहा है। एक

तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से महिला की मौत

सीधी। जिले के सिंहावल पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत मेढ़ौली गांव में सोमवार की दोपहर एक तेज रफ्तार बोलेरो ने बुजुर्ग महिला को कुचल दिया। हादसे में 66 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार बोलेरो वाहन ने सड़क किनारे खड़ी महिला को टक्कर मार दी थी।जानकारी के अनुसार मेढ़ौली गांव निवासी सुलेखा बानो 66 वर्ष पति बसीरुद्दीन सड़क किनारे खड़ी थीं। इसी दौरान अमिलिया थाना अंतर्गत सिहावल चौकी क्षेत्र से गुजर रही एक बोलेरो वाहन ने उन्हें कुचल दिया।

जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक संपन्न

सतना भारत सरकार एवं प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जनगणना 2027 की प्रारंभिक तैयारियां सतना जिले में शुरू कर दी गई हैं। जनगणना का कार्य दो चरणों में संपन्न होगा। प्रथम चरण अप्रैल से सितंबर 2026 तक तथा द्वितीय चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। जनगणना 2027 के सफल एवं सुचारु संचालन हेतु कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी सतना डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा जिला जनगणना समन्वय समिति का गठन किया गया है। बुधवार को कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक संपन्न हुई।

वरिष्ठजनों के लिए होलिस्टिक वेल-बीइंग कैंपों का आयोजन आज से

सतना संचालनालय आयुष भोपाल के निर्देशानुसार जिले में वरिष्ठजनों के लिए होलिस्टिक वेल-बीइंग का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिले के विभिन्न वृद्धाश्रमों में संपन्न होंगे। जिला आयुष अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार पटेल ने बताया कि प्रत्येक वृद्धाश्रम में आधा दिवसीय दो कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शिविरों की तिथियां 12, 13, 19, 20, 26 एवं 27 फरवरी 2026 निर्धारित की गई हैं। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु आयुष विभाग के चिकित्सकों की ड्यूटी लगाई गई है।

पनवार में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम एवं वॉकाथॉन का आयोजन

सीधी। लिनस क्लब कामाख्या सीधी द्वारा पनवार क्षेत्र में कॉमन कैंसर अवेयरनेस प्रोग्राम एवं वॉकाथॉन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र.छात्राओं तथा स्थानीय नागरिकों को कैंसर के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में टाटा कॉलेज के एनएसएस एवं सिधिभूमि इंटरनेशनल स्कूल का विशेष सहयोग रहा। जागरूकता रैली और वॉकाथॉन के माध्यम से लोगों की कैंसर से बचावए समय पर जांच एवं सही उपचार के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर छात्र.छात्राओं ने जागरूकता गीत एवं नुक्कड़ नाटक की प्रभावशाली प्रस्तुति दीए जिससे उपस्थित लोगों को महत्वपूर्ण संदेश मिला। कार्यक्रम में डॉण् नीना मिश्रा ने कहा कि जागरूकता ही कैंसर का सबसे बड़ा उपचार है।

पंख अभियान के तहत खेलकूद कार्यक्रम आयोजित

सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी तथा जिला परियोजना प्रबंधक ग्रामीण आजीविका मिशन पुष्पेन्द्र सिंह निर्देशानुसार विकासखंड मझौली अंतर्गत ग्राम पोड़ी एवं बकवा में पंख अभियान की शुरुआत करते हुए खेलकूद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्व-सहायता समूह की महिलाओं को खेलकूद एवं व्यायाम के माध्यम से उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन, स्वास्थ्य जागरूकता तथा सामूहिक सहभागिता के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

वर्ष 2022 की एक भी लंबित शिकायतें षेश नहीं रहे-कलेक्टर

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक

मैहर बुधवार को मैहर जिले की सम्पन्न समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर मैहर श्रीमती रानी बाटड ने कहा कि वर्ष 2022 तक की कोई भी सीएम हेल्पलाइन की शिकायत लंबित नहीं रहनी चाहिए। विभिन्न विभागों की कुल 22 शिकायतें अभी लंबित है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग आगामी दो दिन में इन सभी शिकायतों को बंद कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर एसडीएम दिव्या पटेल, डॉ. आरती सिंह, एसपी मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला, कार्यपालन यंत्री पीएचई श्वेताक चौरसिया, आरईएस लाजरूस केरकेट्टा, डीपीओ राजेन्द्र बांगरे, सीएमओ सुषमा मिश्रा, जनपद सीईओ वेदमणि मिश्रा, अशोक तिवारी, भारती दीक्षित सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग ए और बी श्रेणी में आने का प्रयास करें। सी और डी श्रेणी में रहने पर पूरे जिले की रेंकिंग खराब होती है। उन्होंने नगर पालिका मैहर और वन विभाग में शिकायतों के नाट-अटेण्ड और निम्न गुणवत्ता से चंद किये जाने पर नाराजगी जाहिर की। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व विभाग में एसआईआर का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। अब राजस्व विभाग के अधिकारी सीएम हेल्पलाइन और फ्रंटर रजिस्ट्री के कार्य में जुटे। धरती आबा उत्कर्ष अभियान में शामिल गांव के शेष रहे जाति प्रमाण पत्र और आयुष्मान कार्ड शीघ्र बनवाने के निर्देश दिये। कलेक्टर-कमिश्नर कान्फ्रेन्स के बिन्दुओं की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि संबंधित विभाग कार्यवाही कर अपना पालन-प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। संकल्प से समाधान अभियान की समीक्षा में बताया गया कि मैहर जिले में शिविरों में कुल 13806 आवेदन प्राप्त हुए है। जिनमें से 10343 आवेदन निराकृत किये गये हैं। इनमें 9264 आवेदन स्वीकृत, 1079 आवेदन अस्वीकृत किये गये है जबकि 3466 आवेदन अभी लंबित है। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग देख लें उनकी सेवाओं में आवेदन शून्य नहीं रहे। घर-घर जाकर आवेदन प्राप्त करे, ताकि अपेक्षा अनुसार विभागीय सेवाओं के आवेदन प्राप्त हो सके। खाद्यान्न उठाव की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जनवरी माह में कुल 92 प्रतिशत खाद्यान्न वितरित हुआ है।

खनिज के अवैध परिवहन, उत्खनन और भण्डारण पर रोक लगाये-कलेक्टर

टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न

मैहर कलेक्टर मैहर श्रीमती रानी बाटड ने कहा कि मैहर जिले में खनिज नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए खनिजों के अवैध परिवहन, उत्खनन और भण्डारण पर रोक लगाने शक्ति से कार्यवाही करें। जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक में कलेक्टर ने खनि विभाग द्वारा इस संबंध में की गई कार्यवाही की समीक्षा की। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंचल नागर, एसडीएम दिव्या पटेल, डॉ. आरती सिंह, एसपी मिश्रा, जिला खनि अधिकारी सतीष मिश्रा भी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में खनिजों के परिवहन में होने वाली ओवर लोडिंग को रोकने लगातार प्रयास किये जाये और आरटीओ के साथ खनि अधिकारी एक महीने कम से कम दो बार संयुक्त विजिट करें। उन्होंने कहा कि होमगार्ड का बल उपलब्ध कराने जिला कमाण्डेट को पत्र भेजें। कलेक्टर ने रामनगर और अमरपाटन के लाइम स्टोन ब्लाक की रिपोर्ट तत्काल भेजने के निर्देश दिये।

जिला खनि अधिकारी सतीष मिश्रा ने बताया कि खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के लिए डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट होमगार्ड द्वारा फ्लैन्ड अमले में चार होमगार्ड सैनिकों की मांग के विरूद्ध एक सैनिक उपलब्ध कराया है। विभाग द्वारा पुलिस और आरटीओ के सहयोग से अवैध परिवहन और उत्खनन में संलग्न वाहनों की कार्यवाही में लेकर थाना परिसर में खड़ा कराया जाता है। पुलिस परिवहन और खनि अधिकारी के संयुक्त प्रयास से सतना और मैहर जिले में 22 वाहनों पर ओवर लोडिंग की कार्यवाही की गई है। मैहर जिले में टास्क फोर्स की बैठक के पश्चात अवैध उत्खनन के तीन प्रकरण एवं अवैध परिवहन के 25 प्रकरण दर्ज किये गये है। जिनमें खनिज नियमों के अनुसार 26 लाख 55 हजार 297 रूपये अर्थदण्ड वसूली कर शासकीय मद में जमा कराई गई है।

मैहर में गरीबरथ ट्रेन के स्थानक की मांग

मैहर। धार्मिक एवं पवित्र नगरी मैहर रेल्वे स्टेशन में जनमानस के हितार्थ सुविधाजनक समय से चलने वाली 12535 एवं 12536 गरीबरथ लखनऊ गरीब रथ ट्रेन का स्थानक प्रारंभ करने की मांग मैहर जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य महेश दरियानी ने की है। उन्होंने सतना सांसद गणेश सिंह से अनुरोध किया है कि इस सुविधा से यूपी की राजधानी लखनऊ चिकित्सालय क्षेत्र में आने जाने एवं उपचार का लाभ लेने हेतु समस्त मैहर जिला वसियो को सुविधा प्राप्त होगी। यह मांग विगत कई वर्षो से लगातार मैहर में की जा रही है।

बड़ा अखाड़ा आश्रम में रही गुरू जन्मोत्सव की धूम

मैहर। श्रीराम जानकी मंदिर बड़ा अखाड़ा के पूज्य संत सीताबल्लभ शरण जू महाराज का जन्मोत्सव बुधवार को शिष्य भक्तों द्वारा धूमधाम के साथ मनाया गया। बड़ा अखाड़ा से जुड़े शिष्य भक्तों का सुबह से ही पहुंचने का सिलसिला प्रारंभ हो गया जो देर शाम तक चलता रहा। शिष्यों द्वारा चरण वंदना कर उनके दीर्घायु जीवन कि कामना की गई। उपस्थित सभी भक्तों ने भंडारा प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर डा. केसी जैन, कांग्रेस नेता धर्मेश घई, वरिष्ठ समाजसेवी विश्वनाथ चौरसिया गुड्डू भइया, नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी, सुशील तिवारी, पीएल द्विवेदी, जयंत जैन एवं जितेश जैन सहित काफी संख्या में भक्तजनों की उपस्थिति रही।

घर से नाराज होकर नागपुर गई नाबालिग किशोरी दस्तयाब

पुलिस ने सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा

थाना जमोड़ी पुलिस को मिली बड़ी सफलता

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशनए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे दस्तयाबी अभियान के तहत थाना जमोड़ी पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस टीम ने अथक प्रयासों से एक गुमशुदा नाबालिग किशोरी को नागपुर महाराष्ट्र से सकुशल बरामद कर उसके माता.पिता के सुपुर्द किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार विगत दिनों थाना जमोड़ी क्षेत्र अंतर्गत एक पीड़ित परिजन ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग पुत्री बिना बताए घर से कहीं चली गई है। परिजनों ने अपने स्तर पर सगे संबंधियों और आसपास काफी खोजबीन कीए किंतु किशोरी का कहीं पता नहीं चला। परिजनों ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला.फुसलाकर ले जाने की आशंका व्यक्त की थीए जिस पर थाना जमोड़ी में तत्काल मामला पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी जमोड़ी उप निरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी नें उनि वर्षा यादव के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों और सूचना तंत्र की मदद से पुलिस को जानकारी प्राप्त हुई कि नाबालिग लड़की नागपुर में अपने किसी मित्र के पास है। पुलिस टीम द्वारा तत्काल सक्रियता दिखाते हुए किशोरी से संपर्क स्थापित किया गया और उसे समझाइश देकर वापस जिला सीधी बुलाया गया।

करेंट की चपेट मे आने से घायल काले मुह वाले बंदर का वन विभाग अमले ने कि रेस्क्यू

उचित उपचार मुहैया कराकर स्वास्थ्य होने पर बंदर को छोड़ा गया जंगल में

सिंगरौली ् गनियारी मुक्ति धाम के पास 11 हजार के0व्ही0 विद्युत लाईन से करंट लगने से घायल काले मुह के बंदर की सुचना प्राप्त होने पर वन अमले द्वारा घायल बंदर का रेसक्यु कर जिला चिकित्सालय बैढन में उपचार कराया गया । उपचार उपरान्त 24 घण्टे की निगरानी के पश्चात स्वस्थ होने के उपरान्त बंदर को वन परिक्षेत्र बैढ़न अंतर्गत वन क्षेत्र में सुरक्षित छोड़ा गया। पूरी कार्यवाही अखिल बंसल वन मंडल अधिकारी सिंगरौली तथा उप वनमण्डलाधिकारी नरेन्द्र त्रिपाठी के मार्गदर्शन एंव राजकुमार यादव वन परिक्षेत्राधिकारी बैढन सुरेश सिंह मरकाम परिक्षेत्र सहायक बैढन एंव श्री इन्द्रजीत सिंह स्थायीकर्मी के द्वारा सफलतापूर्वक पूर्ण की गई।

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की कार्यशाला आजनगर निगम सभागार में

सिंगरौली महाप्रबंध जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा अवगत कराया गया है कि नगर निगम निकाय अंतर्गत हितग्राहियोंए उद्यमियोंए जनप्रतिनिधियोंए बैंकर्सए गणमान्य नागरिक हेतु सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम विभाग मध्यप्रदेश शासन की योजनाओं तथा नीतियों पर कार्यशाला सेमीनार का आयोजन 12 फरवरी को प्रातः 11रू30 बजे से 2रू00 बजे तक नगर पालिक निगम के सभागार में आयोजित किया जा रहा है। अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर शासन द्वारा संचालित योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त कर योजनाओं का लाभ उठाए।

चुरहट कांग्रेस नगर अध्यक्ष बने सुखनंदन सोनी

सीधी प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए नगर कांग्रेस अध्यक्षों की नई सूची जारी कर दी है। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी की स्वीकृति और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर जारी इस सूची में चुरहट नगर कांग्रेस अध्यक्ष पद की कमान समाजसेवी सुखनंदन ;भैयाद्ध सोनी को सौंपी गई है।

सुखनंदन सोनी क्षेत्र में लंबे समय से सामाजिक तथा युवादृकेन्द्रित गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। वे सूशु मार्शल आर्ट एसोसिएशन सीधी के अध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में सीधी परंपरागत लाठी एसोसिएशन का नेतृत्व कर रहे हैं। युवाओं को खेलए संस्कृति और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने में उनके योगदान को स्थानीय स्तर पर विशेष सराहना मिलती रही है। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद क्षेत्रीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने उन्हें शुभकामनाएँ दीं और संगठन को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई। बधाई देने वालों में चुरहट नगर परिषद अध्यक्ष मोनिका गुप्ता अजय पाण्डेय उपाध्यक्ष नगर परिषद चुरहट विजय गुप्ता रतिभान सिंह पटेल कांग्रेस विधायक प्रतिनिधि रामाकांत पाण्डेय अहमद रजा राजकरण नामदेव बसंत लाल गुप्ता दीपक नामदेव संजय सिंह संजू संजय विश्वकर्मा आलोक कुशवाहा उमेश पटेल पडखुरी मोनू खान प्रसून जयसवाल प्रसंत सिंह जानू राहुल गुप्ता जगजीवन लाल गुप्ता अशोक पाल ऋषि पाण्डेय राहुल रविशंकर सोनी मोनू अजय सोनी संतोष सोनी अशोक सोनी रघुनंदन पटेल बेटउ उमेश अवधिया स्वामी शरण परौहा प्रदीप पंडितए डॉण् रजनीश पटेलए पदमाकर सिंह लीला बाती केवट सहित अनेक नागरिक शामिल हैं।

सावधानी और गंभीरता के साथ करे परीक्षाओं का संचालन-रानी बाटड

बोर्ड पैटर्न पर कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षायें 20 से 26 फरवरी तक होंगी

कलेक्टर मैहर ने ली परीक्षाओं की तैयारियों संबंधी बैठक

मैहर बोर्ड पैटर्न पर कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षायें 20 फरवरी से 26 फरवरी तक मैहर जिले के 126 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए निर्देश जारी किये गये है। मैहर जिले में कुल 126 परीक्षा केन्द्र बनाये जाकर इनमें केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष की नियुक्ति की जा रही है। प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक परीक्षा की तैयारियों और परीक्षा केन्द्रों की व्यवस्थाओं के संबंध में बुधवार को मैहर कलेक्टर रानी बाटड ने बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पूरी सावधानी और गंभीरता के साथ शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षाओं का संचालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्र में किसी भी अव्यवस्थाओं के लिए केन्द्राध्यक्ष और सहायक केन्द्राध्यक्ष को उत्तरदायी होंगे। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में सभी व्यवस्थायें परिपूर्ण करें और निर्धारित समय पर गतिविधियों को पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से बताया गया कि मैहर जिले में कुल 126 परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये गये है। जिनमें सभी केन्द्रों के लिए केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष नियुक्त कर आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है। मैहर जिले में कुल 34 जन शिक्षा केन्द्रों के अंतर्गत 1179 शालाओं के छात्रों के लिए 126 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। बोर्ड पैटर्न की परीक्षा में कक्षा 5वीं 14667 परीक्षार्थी और कक्षा 8वीं की परीक्षा में 13728 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इन स्कूलों में मदरसो के 272 बच्चे भी परीक्षा में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इन परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण या निम्न रिजल्ट लाने वाले विद्यार्थियों के लिए माह जुलाई 2026 में द्वितीय परीक्षा भी होगी। जिनमें रिजल्ट का सुधार किया जा सकेगा।

अवैध रेत परिवहन पर कुसमी पुलिस का शिकंजा ट्रैक्टर सहित 6 लाख से अधिक की संपत्ति जब्त

सीधी। जिले के कुसमी थाना क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन के खिलाफपुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर को रेत सहित पकड?र जब्त किया है। यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना के आधार पर देर रात की गईए जिससे क्षेत्र में खनिज माफियाओं के बीच हड?ंप मच गया। वहीं प्राप्त जानकारी के अनुसार सीधी जिले के कुसमी पुलिस को सूचना मिली थी कि गोपट नदी से अवैध रूप से रेत निकालकर परिवहन किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी अरूणा द्विवेदी के निर्देश पर पुलिस टीम ने तत्काल सक्रियता दिखाई और संदिग्ध वाहन की तलाश शुरू की। इसी दौरान पुलिस ने रास्ते में एक ट्रैक्टर को रोककर जांच कीए जिसमें रेत लदी पाई गई। जहां वाहन चालक की पहचान राजेश सिंहए पिता कल्याण सिंह गौंड़ के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान चालक ने बताया कि वह गोपट नदी से रेत लेकर टमसार छात्रावास में चल रहे निर्माण कार्य के लिए जा रहा था। हालांकिए चालक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज संतोषजनक नहीं पाए गएए जिसके चलते पुलिस ने इसे अवैध परिवहन मानते हुए ट्रैक्टर और रेत को जब्त कर लिया। वहीं पुलिस के अनुसार जब्त ट्रैक्टर एवं रेत की कुल अनुमानित कीमत लगभग 6 लाख 5 हजार रुपये आंकी गई है। इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 303;2द्ध एवं 317;5द्ध के तहत तथा 4ध्21 खनिज अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पूरी कार्रवाई में एएसआई नंद प्रकाश सिंहए कमलेश प्रजापतिए आरक्षक दिनकर द्विवेदी एवं चूड़ामणि सिंह की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही।

पुलिस अधिकारियों ने टीम की तत्परता और सूझबूझ की प्रशंसा की है। कुसमी थाना पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफएक सशक्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

चाकू से हुआ हमला मामला पंजीबद्ध

युवक जिला चिकित्सालय में भर्ती पुलिस कर रही जांच

सीधीशहर के कोतवाली थाना अंतर्गत कन्या कॉलेज के पास ठेले में चाउमीन की दुकान लगाने वाले व्यापारी द्वारा एक युवक के साथ हमला किया गया। इस मामले पीड़ित जिला चिकित्सालय में भर्ती हैं। वहीं दूसरे पक्ष से भी मारपीट की शिकायत करने की जानकारी मिली है। वह भी अस्पताल में भर्ती हुआ है। जानकारी के अनुसार कन्या कॉलेज के सामने अवैध ठेले हरदम लगते हैं। जहां कि लड?.लड़कियों की भीड़ रहती है। इसी मामले में दोपहर विवाद हुआ। जिसमें 10 रुपए के चक्कर में ठेला व्यवसायी एवं एक युवक के साथ मारपीट की घटना हुई। जिसमें व्यवसायी द्वारा युवक पर चाकू से हमला करने की जानकारी मिली है।

नाम सुधार सूचना

मैं सहरुनिशा SAHRUNNISHA) पति मोहम्मद इलियास खान (MOHAMMAD ILIYAS KHAN) पिता का नाम मोहम्मद अब्दुल्ला खान (MOHD. ABDULLA KHAN) माता का नाम जुम्मी बी (JUMMI BEE), हाउस नं. 108/1, वार्ड नं. 06 पठानी मोहल्ला शाम अमिलती, पोस्ट बड़ी पाली अमिलती, रीवा म.प्र. 486553 की निवासी हूं। यह कि मेरा पासपोर्ट बना था जिसमें मेरा नाम सहरुनिशा (SHARUNNISHA) पति मोहम्मद इलियास खान (MOHMMAD ELIYAS KHAN) पिता का नाम मोहम्मद अब्दुल्ला खान (MOHAMMAD ABDULLA KHAN) माता का नाम जुम्मी बी (JUMMI BEE) बच्चे भी परीक्षा में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इन परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण या निम्न रिजल्ट लाने वाले विद्यार्थियों के लिए माह जुलाई 2026 में द्वितीय परीक्षा भी होगी। जिनमें रिजल्ट का सुधार किया जा सकेगा।

SAHRUNNISHA

सूक्ति

अवसर सूर्य उदय की तरह होते है यदि आप ज्यादा देर प्रतीक्षा करेंगे तो आप उन्हें गवा देंगे

- अज्ञात

बांग्लादेश चुनाव बाद तय होगी दोस्ती या दुश्मनी

बांग्लादेश में अचानक जेन-जी आंदोलन और हिंसा के बीच प्रधानमंत्री शेख़ हसीना अगस्त 2024 में सत्ता से हटते हुए भारत में शरण लेती हैं। इसके बाद प्रमुख सलाहकार यूनुस की अंतरिम सरकार सत्ता की बागडोर संभालती है और फिर अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को तोड़ने-मरोड़ने का खेल शुरु हो जाता है। सबसे भरोसेमंद और हितैषी पड़ोसी मित्र देश को दूर करने और दुश्मनों को गले लगाने का काम भी होता है। इस दौरान न हिंसा रुकती है और न ही हालात बदलते हैं। इसी के साथ चुनाव की तारीख भी सामने आ जाती है। बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का अवसर भर नहीं हैं, बल्कि वे देश को वैचारिक दिशा, लोकतांत्रिक विश्वसनीयता और पड़ोसी देशों खासकर भारत से रिश्तों की ज़मीन तय करने वाले निर्णायक मोड़ साबित होंगे। कुल 300 सीटों में से 299 सीटों पर मतदान और च्जुलाई चार्टरज् पर जनमत संग्रह के साथ यह चुनाव कई स्तरों पर महत्वपूर्ण होने वाले है। बावजूद इसके जिस राजनीतिक माहौल में चुनाव कराए जा रहे हैं, उससे इसकी निष्पक्षता और पारदर्शिता पर पहले से ही गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। सबसे बड़ा सवाल अवामी लीग को चुनाव लड़ने की अनुमति न दिए जाने को लेकर है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख़ हसीना के नेतृत्व वाली यह पार्टी बांग्लादेश की राजनीति की केंद्रीय धुरी रही है। ऐसे में उसका चुनावी मैदान से बाहर होना लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की आत्मा को कमजोर करता है। अवामी लीग के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद ने चुनाव को सुनियोजित बताते हुए निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया को इस तरह से गढ़ा गया है कि एक विशेष विचारधारा को सत्ता में बनाए रखा जा सके। उन्होंने ऐसे चुनाव का बहिष्कार करने की अपील अंतरराष्ट्रीय समुदाय तक से कर डाली। यहां कहना गलत भी नहीं होगा कि यदि विपक्ष का एक बड़ा दल ही चुनावी प्रक्रिया से बाहर हो, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः संदिग्ध हो जाती है। बहरहाल चुनाव हो रहे हैं ऐसे में जीत-हार के दावे भी सामने आ गए हैं। चुनावी मुकाबला मुख्यतः तारिक रहमान के नेतृत्व वाले बीएनपी गठबंधन और जमात-ए-इस्लामी व नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के 11 दलों के गठबंधन के बीच माना जा रहा है। अनुमानित वोट प्रतिशत बताता है, कि मुकाबला कांटे का है। 13 वर्षों के प्रतिबंध के बाद जमात-ए-इस्लामी का चुनावी मैदान में लौटना भी एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। 2008 के बाद पहली बार वह चुनाव लड़ रही है। खुद को मुख्यधारा की राजनीति में स्थापित करने के प्रयास में जमात ने इस बार एक हिंदू उम्मीदवार को टिकट दिया है, हालांकि किसी महिला को उम्मीदवार नहीं बनाए जाने को लेकर जमात सुर्खियां भी बटोर रही है। इस मामले में पार्टी का तर्क है कि महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है, लेकिन यह तर्क समावेशी राजनीति की कसौटी पर अधूरा लगता है।

बांग्लादेश के आम चुनाव का एक बड़ा आयाम विदेश नीति भी है। जमात-ए-इस्लामी के नेताओं ने संकेत दिए हैं कि वे सम्मान और मर्यादा के आधार पर विदेश संबंधों को पुनर्परिभाषित करना चाहते हैं। पिछले 16 वर्षों की विदेश नीति को एक देश अर्थात भारत केंद्रित बताकर उसकी आलोचना की जा रही है। तीस्ता जल बंटवारा, सीमा पर होने वाली घटनाएं और साझा नदियों के पानी का मुद्दा प्रमुख चुनावी विषय बन चुके हैं। यह स्पष्ट है कि बांग्लादेश में भारत के साथ संबंध अब निर्विवाद नहीं रहे। यदि नई सरकार भारत के प्रति अधिक कठोर रुख अपनाती है, तो द्विपक्षीय रिश्तों में तनाव और बढ़ सकता है। सुरक्षा कारण बताकर भारत द्वारा चुनाव के लिए पर्यवेक्षक न भेजना भी इन्हीं संकेतों की ओर इशारा करता है। यह या तो सतर्क दूरी का संकेत है या फिर आंतरिक परिस्थितियों को लेकर एक प्रकार की प्रतीक्षा की नीति। वैसे यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत के लिए बांग्लादेश केवल पड़ोसी देश ही नहीं है, बल्कि सामरिक, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साझेदार भी है। सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर भारत की स्थिरता, आतंकवाद-रोधी सहयोग और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी इन सभी पर ढाका की राजनीतिक दिशा का सीधा असर पड़ता है। चिंता का विषय यह भी है कि चुनावी विमर्श में वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ता दिखा रहा है। यदि कट्टरपंथी ताकतें मजबूत होती हैं, तो अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदू समुदाय की सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द पर प्रश्नचिह्न लग सकते हैं। बांग्लादेश ने पिछले दशक में आर्थिक प्रगति और सामाजिक सूचकांकों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। राजनीतिक अस्थिरता या वैचारिक टकराव इस उपलब्धि को कमजोर कर सकता है। ऐसे में यह चुनाव केवल सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह बांग्लादेश के लोकतांत्रिक चरित्र, धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और क्षेत्रीय संतुलन की परीक्षा है। नई सरकार यह तय करेगी कि देश सहयोग और संवाद की राह पर चलेगा या टकराव और अविश्वास की ओर मुड़ेगा। भारत और बांग्लादेश के संबंध इतिहास, भूगोल और साझा संघर्षों से जुड़े हैं। उम्मीद यही की जानी चाहिए कि ढाका में जो भी सत्ता में आए, वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्रीय शांति और सहयोग को प्राथमिकता देगा। क्योंकि अंततः स्थिर, समावेशी और संतुलित बांग्लादेश ही पूरे दक्षिण एशिया के हित में है।

*परीक्षा का डर नहीं, आत्मविश्वास का उत्सव जब अपेक्षाओं का बोझ उतरे, तब सीखने की उड़ान शुरु हो

फरवरी-मार्च का नाम आते ही घरों का माहौल बदलने लगता है। वही कमरे, वही मेज, वही किताबें, लेकिन हवा में एक अनकहा तनाव घुल जाता है। रात भर जलती लाइटें, कॉफी या चाय के कप, आंखों में नींद और मन में आशंका यह दृश्य आज असामान्य नहीं रहा। परीक्षा अब केवल ज्ञान की परख नहीं रह गई है, वह बच्चों के मन के लिए एक कसौटी बन चुकी है। जैसे ही तारीखें नजदीक आती हैं, कई बच्चों के पैरों में कंपन, दिल की धड़कन तेज होना और अगर अच्छा नहीं हुआ तो ?जैसे सवाल मन पर हावी हो जाते हैं। डर धीरे-धीरे आत्मविश्वास को थक लेता है और पढ़ा हुआ ज्ञान भी धुंधला पड़ने लगता है। असल समस्या परीक्षा नहीं है, समस्या वह माहौल है जो परीक्षा के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया गया है। जब परीक्षा को जीवन-मरण का सवाल बना दिया जाता है, तब बच्चा सवाल हल करने से ज्यादा अपने भविष्य को लेकर डरने लगता है। माता-पिता की उम्मीदें, समाज की तुलना और स्कूल का अंक-केंद्रित ढांचा मिलकर बच्चों के कंधों पर ऐसा बोझ रख देते हैं, जिसे उठाना हर किसी के बस की बात नहीं होती। परिणाम यह होता है कि परीक्षा ज्ञान का उत्सव बनने के बजाय भय का कारण बन जाती है। मनोरोग विशेषज्ञ और शिक्षा मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि अत्यधिक दबाव में शरीर में तनाव हार्मोन बढ़ जाते हैं। इससे नींद प्रभावित होती है, भूख कम हो जाती है और ध्यान भटकने लगता है। बच्चा जितना ज्यादा डरता है, उतना ही उसका प्रदर्शन गिरने की आशंका बढ़ती जाती है। यह एक दुष्चक्र है।डर से प्रदर्शन कमजोर, और कमजोर प्रदर्शन से डर और गहरा। ऐसे में सबसे जरूरी सवाल यह है कि इस डर को कैसे तोड़ा जाए। डर तोड़ने की शुरुआत सोच बदलने से होती है। बच्चे को यह महसूस कराना जरूरी है कि परीक्षा उसकी काबिलियत का एक पड़ाव है, पूरी पहचान नहीं। जब बच्चा यह समझ लेता है कि एक पेपर उसका भविष्य तय नहीं करता, तब उसके भीतर छुपा आत्मविश्वास धीरे-धीरे बाहर आने लगता है। पढ़ाई का मकसद नंबर जुटाना नहीं, समझ विकसित करना है।यह बात अगर घर और स्कूल दोनों जगह दोहराई जाए, तो आधा डर अपने आप कम हो जाता है।

बच्चों के लिए सबसे पहला और असरदार उपाय है दिनचर्या को संतुलित करना। लगातार घंटों पढ़ने से दिमाग थक जाता है और डर बढ़ता है। छोटे-छोटे अंतराल में पढ़ाई करने से न सिर्फ याददाश्त बेहतर होती है, बल्कि मन भी हल्का रहता है। पर्याप्त नींद लेना कोई विलास नहीं, बल्कि जरूरत है। रात से आठ घंटे की नींद दिमाग को तरोताजा रखती है और परीक्षा के समय घबराहट कम करती है। हल्की शारीरिक गतिविधि जैसे टहलना, स्ट्रेचिंग या योग, शरीर में सकारात्मक रसायन छोड़ती है जो तनाव को काबू में रखते हैं।

डर अक्सर अनिश्चितता से पैदा होता है। अगर सवाल नहीं आया तो ?, अगर भूल गया तो ? जैसे विचार मन को जकड़ लेते हैं। ऐसे में बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि वे अपने डर को नाम दें और उससे बात करें। जब डर को मन में दबाने के बजाय स्वीकार किया जाता है, तो उसकी तीव्रता कम होने लगती है। गहरी सांस लेने की सरल तकनीकें, परीक्षा से पहले कुछ मिनट आंखें बंद कर खुद को शांत करना, मन को वर्तमान में लाने में मदद करता है।

अभिभावकों की भूमिका यहां निर्णायक हो जाती है। बच्चे जितना परीक्षा से डरते हैं, उतना ही वे माता-पिता की प्रतिक्रिया से भी डरते हैं। अगर हर बातचीत का अंत अंकों पर हो, तो बच्चा खुद को मशीन समझने लगता है। तुलना बच्चों का आत्मविश्वास सबसे तेजी से तोड़ती है। जब किसी और के बच्चे की सफलता को आदर्श बनाकर पेश किया जाता है, तो संदेश साफ होता है हुम जैसे हो, वैसे पर्याप्त नहीं हो। इसके उलट, अगर माता-पिता बच्चे की मेहनत को सराहें, उसकी कोशिशों को महत्व दें और असफलता की स्थिति में भी साथ खड़े रहें, तो बच्चा डर के बजाय भरोसे के साथ परीक्षा का सामना करता है।

सुनना भी एक बड़ी दवा है। कई बार बच्चे समाधान नहीं, सिर्फ समझ चाहते हैं। जब वे अपनी घबराहट, थकान या उलझन साझा करते हैं और सामने वाला बिना टोके, बिना उपदेश दिए उनकी बात सुन लेता है, तो मन का बोझ हल्का हो जाता है। घर का माहौल अगर सुरक्षित हो, जहां गलती पर डांट नहीं बल्कि बातचीत हो, तो परीक्षा का डर दरवाजे पर ही दम तोड़ देता है। शिक्षकों के कंधों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है। अगर कक्षा में लगातार यह एहसास दिलाया जाए कि टेस्ट सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है, अंतिम फैसला नहीं, तो बच्चों का नजरिया बदल सकता है। अंक के साथ-साथ प्रयास, रचनात्मकता और समझ की सराहना की जाए, तो छात्र खुद को सिर्फ नंबरों में सीमित नहीं मानते। कक्षा शुरू होने से पहले कुछ पल का ध्यान या शांत बैठना, बच्चों की एकाग्रता बढ़ाता है और मन को स्थिर करता है। शिक्षक अगर डर के बजाय भरोसे की भाषा बोलें, तो उसका असर गहरा और स्थायी होता है।दुनिया के कई देशों ने यह समझ लिया है कि अत्यधिक प्रतिस्पर्धा बच्चों को मजबूत नहीं, कमजोर बनाती है। सहयोग, कौशल और जीवन-उद्देश्य पर आधारित शिक्षा मॉडल यह दिखाते हैं कि जब परीक्षा का दबाव कम होता है, तब सीखने की खुशी बढ़ती है। भारत में भी हाल के वर्षों में यह बहस तेज हुई है कि शिक्षा का लक्ष्य केवल रैंक नहीं, बल्कि संतुलित और स्वस्थ व्यक्तित्व होना चाहिए। न्यायपालिका तक यह स्वीकार कर चुकी है कि लगातार मानसिक दबाव बच्चों के लिए नुकसानदेह है

माँ बाप की सेवा करना हरेक पुत्र का दायित्व है

माँ बाप की सेवा करना हरेक पुत्र का दायित्व है जो आपके घर को उज्जवल करती है गुरु गोबिंद सिंह जी के दो सबसे छोटे बेटे, साहिबजादा ज़ोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी, जो दसवें सिख गुरु थे उन्हें 26 दिसंबर, 1704 को सरहिंद (आज का फतेहगढ़ साहिब, पंजाब) में ज़बरदस्ती अपना धर्म छोड़ने से इनकार करने पर ज़िंदा दीवारों में चुनवा दिया गया और वे शहीद हो गए।वज़ीर खान ने धर्म परिवर्तन कराने की पूरी कोशिश की प्रलोभन दिया और यहाँ तक कहा की बड़े होने पर सुन्दर सुन्दर बेगम मिलेगी लेकिन जो माता पिता का संस्कार था वो डगमगाऐ नहीं मरना पसंद किया और शहीद हो गया अतः आज बच्चे माता पिता को इनोर्ट क्यों करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है मेरी बेगम या रानी बहुत सुन्दर है वो जो कहेगी वो ठीक होगा और रात्रि में सोने का एक अलग मजा होगा सच कटु होगा लेकिन आप डाकदल में बुरी तरह से फंसे हो और दुनिया में जिम्मेदारी नाम की भी चीज होती है और पत्नी प्रेम में रखना ठीक है लेकिन माता और पिता का सहारा बनना भी जरुरी है क्योंकि जब पालण पोषण पढ़ाया लिखाया तो वो भूल क्यों जाते हो सीखो श्रवण कुमार से नहीं तो आप गकत रास्ते की ओर चल पड़े और चाह कर भी आपस में टकराव देखने को मिलता है बच्चे को अपना देखना है चाहे आपका सर जले या पेट दर्द बिमारी से परेशान हो इतना पत्नी प्रेम में ना डुबो की वृद्धा आश्रम में डाल दो इसलिए आप अपने भविष्य को देख कर ही निर्णय लो हो सकता है भगवान राम जैसा वनवास मिले लेकिन आगे का भविष्य आपको हमेशा माता पिता की दुआ देगी संस्कार अच्छा होना चाहिए सीखो श्रवण कुमार से जो दुनिया से चला तो गया लेकिन इतिहास बना दिया आप बाल बलिदान दिवस तो मानते है लेकिन सीखते क्या है गुरु गोबिन्द सिंह के दो मासूम बच्चे जब अपनी कुरबानी दि होगी तो इतने छोटे से बच्चे से नहीं सीखा आप पढ़कर भी अनपढ़ से भी कहीं खराब हो क्योंकि आपकी मानसिकता गलत तब होती है जब पत्नी प्रेम में डुबकी लगा कर आंनद से रहते हो और माता पिता को अकेले छोड़ कर पछ्ष छुड़ाने की कोशिश करते हो पितृभक्त पुत्र श्रवण कुमार को याद करो जिसने अपने माता पिता को टोकड़ी में लेकर तीर्थ स्थान पर ले गए और गलती से पानी लाने के चक्कर में राजा दशरथ के हाथों शिकार हो गया लेकिन माता पिता का पुत्र के प्रति प्रेम इतना था की उन्होंने राजा दशरथ को ही श्राप दे दिया और उनके पुत्र भगवान राम को 14 वर्ष का वनवास मिला और उनके वियोग में उन्होंने भी वही पीड़ा सही और स्वर्गवास हो गया इस बात को भगवान राम भी जानते होंगे लेकिन राज सिंहासन छोड़ कर उनके वचन को निभाया राजा दशरथ उस समय यदि अपनी पत्नी कैकई के मायाजाल में ना फंसते तो शायद भगवान राम को वनवास ना मिलता और राज़तिलक होता लेकिन विधि का विधान कौन टाल सकता ऊ हुआ ऐ की पितृभक्त पुत्र श्रवण कुमार एक जिन्हें आज भी मातृ-पितृभक्ति के लिए जाना जाता है। इतिहास में मातृभक्ति और पितृभक्ति के लिए श्रवण कुमार का नाम अमर हैं। हिन्दू धर्म ग्रंथ रामायण में श्रवण कुमार का उल्लेख है। सबसे खास बात यह है कि ये वही श्रवण कुमार हैं जिनके माता-पिता के श्राप के कारण राजा पुत्र वियोग में राजा दशरथ की मृत्यु हुई थी। श्रवण कुमार की कथा श्रवण कुमार को कथा फॉली करें श्रवण कुमार के माता-पिता श्रवण अपने माता-पिता से अतुलनीय प्रेम करते थे। इनके माता-पिता नेत्रहीन थे इसलिए वो उनकी अत्यंत श्रद्धापूर्वक सेवा करते थे।

आध्यात्मिक आकाश का प्रकाश

चिन्मय अखण्ड मेम ते सुखसाग के अस्तस्ता है न चद्रप्रकाश अथवा अग्नि य बिजली के कौंध से लेकर सर्व प्रकाशित इस ब्रह्मांड में केवल एक ही सूर्य एक ही चन्द्र सर्व प्रकाशित हो लेकिन अन्धकार अखण्ड मेम में लोक सर्व प्रकाशित है उस समस्त लोकों के जिन्हें ब्रह्म कहा जाता है चमकते हैं उस समस्त अखण्ड सत्ता है जिसे ब्रह्म कहते हैं इस तेज का एक अंश महत्-तत्व अथवा जगत से अन्धकार सत है जब तक जीव इस अखण्डमय जगत मे सत है एक तत्व एक बद्ध अखण्ड मेम है लेकिन जैसे वह भौतिक जगत रूपे मिथ्य विम्ब तुम के बाहर अखण्डमेम अखण्ड मेम सुख है ऐसे मुक्ते जब हो तब एक यानी सत्ता लेकर अपने मुक्त अखण्ड मेम अखण्डमय मेम का हो अपने का फर्क का जा हो वो पाकर सच्चिदानन्द मय जीवन बिताता है।

जो इस संसार से अधिक असत है उसके लिए इस अस्तित्व छोड़ना कुछ तो हो लेकिन यदि वह कुछ भक्ति का योग करले तो उसके मन छूट जाने की संभवना हो उसे पूर्ण भक्ति की सीढ़ी करनी चाहिए जो कुछ भक्ति करे तो उसे एक समाज खेजना चाहिए जो कुछ भक्ति करे तो उसे और भक्ति की सीढ़ी करनी चाहिए। इस प्रकार वह संसार की अपनी आसक्ति विच्छेद कर सकता है यदि वह केवल केवल कुछ न से पूर्ण भक्त जगत के अन्धकार से विच्छेद हो जाए तो एक मेम नहीं तो उसे भगवद्भक्ति की आसक्ति हो पैदा। यह धर्म सम्प्रदाय बहुत महत्वपूर्ण कदम मेम जगत का केवल भगवान के सम्मुख है पूर्ण चिन्मय जगत पास है और छह ऐसे पूर्ण हो कर्ते हैं जो भी इस सृष्टि की ईकाई स्वयं जगत मेम सुखमय चद्रप्रकाश य तारा जो वह अस्तित्व नहीं हो लेकिन समस्त आध्यमिक आकाश भाषा की अभिव्यक्ति से प्रकाशमान हो उस परम धाम तक कोई जा सकते है अथवा किसी साधन से नहीं

आज का राशिफल

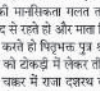

शुभसंवत 2082, शकाब्द 1947, शोभन संवत्सर, फाल्गुन कृष्णपक्ष, द्वितीयातिथि गुरुवार पूर्वा कुम्भेस्य भौमदिवसे, गुरुवार, ज्येष्ठ नक्षत्रे, हर्षयोगे, बव करणे, वृश्चिकचन्द्रे, शोभनस्य धनुर्लग्ने भा 12/14 कुंभ धन्यश्चेत्लघुकोपा विरुपाक्ष, विश्वाक्षर मूर्तिमुक्त-ऊर्दति वीरया कुम्भ, 11 कोणेपूर्वदिव वीरया उत्तम फलदायी होगी?

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक सौम्य, बुद्धिमानी, चाल, खुश, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिकारी, बालक प्रकाशक, बुद्धिमान, उत्तम गुणी बाल, विकल विचारि, विद्वान्, उत्तम गुणी बाल होगा।

मेषराशि- व्यापार लेन्य, स्वास्थ्य में विकार तथा दुख, आपदा, कष्ट अवश्य होगा।

वृषराशि- किसी अधिकारी के कार्य में देरी, वेतन व अर्थ का कारक होगा।

मिथुनराशि- कार्य योजना पूर्ण होगी, धन का लाभ होगा, अकस्मात सफलता कार्य अवश्य होगा।

कर्कराशि- इष्ट मित्र सुखकारक होंगे, कार्य में मेहनत होगा, कार्य अवश्य की होगी।

सिंहराशि- कार्य में उत्साह होगा, कार्य में मेहनत होगा, धिरजे अवश्य बना रहेगी।

कन्याराशि- मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, ही सेवा से लाभ सुख समृद्धि की स्थिति होगी।

तुलाराशि- अधिक खर्च का योग, व्यर्थ भाग, धन का व्यय, कार्य होगा, कोर्ट कार्य होंगे।

वृश्चिकराशि- तनाव, क्लेश व अशांति, मान प्रतिष्ठा, चिन्ता, उत्तेजना तथा भय का हो होगा।

धनुराशि- विवाद में होंगे सफल, तनाव, क्लेश मानसिक अशांति का कारक होगा।

मकरराशि- धन लाभ, अकस्मात सफलता कार्य होगा, कार्य में सुख की होगी।

कुंभराशि- भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, समय उत्साह पूर्ण होगा, मानसिक शांति होगी।

मीनराशि- व्यवसाय में लाभ की स्थिति होगी, मन में प्रसन्नता होगी, धन की होगी।

धर्म, समाज और राष्ट्र की चेतना जगाने वाले स्वामी दयानंद

स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती

आर्य समाज के संस्थापक के रूप में वंदनीय महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती का जन्म गुजरात के टंकारा में 12 फरवरी 1824 को हुआ था और 12 फरवरी को उनकी जयंती मनाई जाएगी। स्वामी दयानंद ऐसे देशभक्त, समाज सुधारक, मार्गदशक और आधुनिक भारत के महान चिंतक थे, जिन्होंने न केवल ब्रिटिश सत्ता से जमकर लोहा लिया बल्कि अपने कार्यों से समाज को नई दिशा और ऊर्जा भी प्रदान की। 1857 की क्रांति में उनका अमूल्य योगदान था। स्वामी दयानंद का बचपन बहुत अच्छा बीता लेकिन उनके जीवन में घटी एक घटना ने उन्हें इस कदर प्रभावित किया कि वे 21 वर्ष की आयु में ही अपना घर बार छोड़कर आत्मिक एवं धार्मिक सत्य की तलाश में निकल पड़े और एक सन्यासी बन गए। जीवन में ज्ञान की तलाश में वे स्वामी विरजानंद से मिले, जिन्हें अपना गुरु मानकर उन्होंने मथुरा में वैदिक तथा योग शास्त्रों के साथ ज्ञान की प्राप्ति की। 1845 से 1869 तक कुल 25 वर्षों की अपनी वैराग्य यात्रा में उन्होंने कई प्रकार के दैविक क्रियाकलापों के बीच विभिन्न प्रकार के योगों का भी गहन अभ्यास किया।

देश के स्वतंत्रता संग्राम में स्वामी दयानंद की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण थी और च्स्वराजज् का नारा उन्होंने ही दिया था, जिसे बाद में लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने अपनाया और च्स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार हैज् का नारा दिया। वेदों का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ उनकी महत्ता लोगों तक पहुंचाने तथा समझाने के लिए उन्होंने देशभर में भ्रमण किया। जीवनपर्यन्त वेदों, उपनिषदों का पाठ करने वाले स्वामी जी ने पूरी दुनिया को इस ज्ञान से लाभान्वित किया। उनकी किताब च्सत्यार्थ प्रकाशज् आज भी दुनियाभर में अनेक लोगों के लिए मार्गदर्शक साबित हो रही है। वेदों को सर्वोच्च मानने वाले स्वामी दयानन्द ने वेदों का प्रमाण देते हुए हिन्दू समाज में फैली कुरीतियों और अंधविश्वासों का डटकर विरोध किया। जातिवाद, बाल विवाह, सती प्रथा जैसी समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में उनका योगदान उल्लेखनीय है, इसीलिए उन्हें च्सन्यासी योद्धाज् भी कहा जाता है। दलित उद्धार तथा स्त्रियों की शिक्षा के लिए भी उन्होंने कई आन्दोलन किए। हिन्दू धर्म के अलावा इस्लाम तथा ईसाई धर्म में फैली बुराईयों और अंधविश्वासों का भी उन्होंने जोरदार खंडन किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण, धार्मिक कुरीतियों की रोकथाम तथा वैश्विक एकता के प्रति समर्पित कर दिया। वे आध्यात्मिक क्रांति के संदेशवाहक थे।

स्वामी दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना मुम्बई के गिरगांव में गुड़ी पड़वा के दिन 10 अप्रैल 1875 को की थी, जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति के साथ समूचे विश्व को एक साथ जोड़ना था। आर्य समाज के द्वारा उन्होंने दस मूल्य सिद्धांतों पर चलने की सलाह दी। मूर्ति पूजा के अलावा वे जाति विवाह, महिलाओं के प्रति असमानता की भावना, मांस के सेवन, पशुओं की बलि देने, मंदिरों में चढ़ावा देने इत्यादि के सख्त खिलाफ थे और इसके लिए उन्होंने लोगों में जागरूकता पैदा करने के अथक प्रयास किए। अपने 59 वर्ष के जीवनकाल में महर्षि दयानंद ने न सिर्फ देश में व्याप्त बुराईयों के खिलाफ लोगों को जागृत किया बल्कि अपने वैदिक ज्ञान से नवीन प्रकाश को भी देशभर में फैलाया। हालांकि कई लोगों ने उनका जमकर विरोध भी किया लेकिन स्वामी दयानंद सरस्वती के तार्किक ज्ञान के समक्ष बड़े-बड़े विद्वानों और पंडितों को भी नतमस्तक होना पड़ा। ये अपने जीवन को पुनर्जन्म, ब्रह्मचर्य, सन्यास तथा कर्म सिद्धांत के चार स्तंभों पर खड़ा मानते थे।

स्वामी दयानंद हिन्दी भाषा के प्रबल समर्थक थे और उनका मत था कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पूरे देश में एक ही भाषा च्हिन्दीज् बोली जानी चाहिए। मानव शरीर को नश्वर बताते हुए वह कहते थे कि हमें इस शरीर के जरिये केवल एक अवसर मिला है, स्वयं को साबित करने का कि च्मनुष्यताज् और च्आत्मविवेकज् क्या है। वे कहा करते थे कि शक्ति किसी अलौकिकता या चमत्कारिता के प्रदर्शन के लिए नहीं होती। सभी धर्मों और उनके अनुयायियों को वे एक ही ध्वज तले बैठा देखना चाहते थे। दरअसल उनका मानना था कि आपसी लड़ाई का फायदा सदैव तीसरा उठाता हैं, इसलिए इस भेद को दूर करना आवश्यक है। कर्म करने को लेकर स्वामी जी तर्क देते थे कि काम करने से पहले सोचना बुद्धिमानी, काम करते हुए सोचना सतर्कता और काम करने के बाद सोचना मूर्खता है।

फिल्म वर्ग पहेली- 7112

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरुख, जूही की फिल्म-२,१
२. सैफ, काजोल की 'नौला दुष्ट्टा चीला मूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजदत्त, शहा, मनीषा, स्वीता की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-३
९. 'चमन में रहके कोकना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
१. जाफ, नंबरी, नीलम की 'देखा जो हुस आपका' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोरी किशन' में किस की दीवानी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जैबा, अमिरी भाभी की 'आया ये याली' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पंकिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेरा रे मेरा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नेतन की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणबीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'ही सब्बा तू ही बच्चा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'सत्यम' में अली खान के साथ नायिका कौन है?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझे की बेटिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बंदिनी आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ या लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. बबि, मनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरहीन की नायिका?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है जो' गीत वाली शाहरुख, राजेश्वरी, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुशील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. 'पेक्षी की पाली हिंदी फिल्म?-३
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली डैकी शॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालनिन्हा की 'आज गाली मुस्करा ले' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरे मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश रोशा, शोदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिलवाले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रसोत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7111

Jagrutidaur.com, Bangalore

सऊदी अरब ने खुली सीक्रेट शराब दुकान, चुनिंदा विदेशी रेजिडेंट्स को है खरीदने की अनुमति

रियाद। सऊदी अरब ने 1952 में शराब की बिक्री पर पूरी तरह बैन कर दिया गया था। लंबे समय तक यह कानून सख्ती से लागू रहा और शराब सिर्फ प्राइवेट पार्टियों, डिप्लोमैटिक मिशनों और ब्लैक मार्केट के जरिए ही मिलती थी। अब पहली बार सरकार ने चुनिंदा विदेशी रेजिडेंट्स के लिए शराब खरीदने की अनुमति दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रियाद के डिप्लोमैटिक क्वार्टर में एक गुप्त शराब स्टोर खोला गया है, जिसकी इमारत पर कोई बोर्ड या नाम नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक दुकान का पता न तो ऑनलाइन उपलब्ध है और न आधिकारिक रूप से घोषित किया गया है।

दुनिया के 40 से 50 देशों में लोकप्रिय है दूध वाली चाय

लंदन। दुनिया के लगभग 40 से 50 देशों में दूध वाली चाय की लोकप्रियता है, हालांकि हर देश में इसे बनाने का तरीका, स्वाद और नाम अलग-अलग है। दुनिया भर में चाय के अलग-अलग रूप इस बात का सबूत हैं कि यह सिर्फ एक पेय नहीं, बल्कि संस्कृति, आदत और स्वाद का अनोखा संगम है। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल जैसे दक्षिण एशियाई देशों में चाय का मतलब ही दूध वाली चाय होता है। दुनिया भर में यहां की मसाला चाय और कड़क दूध पत्ती मशहूर है। सुबह हो या शाम, छोटे-छोटे ढाबों से लेकर घरों तक इसकी खुशबू लोगों के दिन की शुरुआत का हिस्सा बन चुकी है।

ईरान समझौते की शर्तों को नहीं मानता है, तो भुगतने होंगे गंभीर सैन्य परिणाम

वॉशिंगटन। ईरान और अमेरिका के बीच एक नए परमाणु समझौते को लेकर जारी बातचीत के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाया है। एक इंटरव्यू में ट्रंप ने साफ किया कि यदि ईरान समझौते की शर्तों को नहीं मानता है, तो उसे गंभीर सैन्य परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। सैन्य बेड़े की रवानगी और चेतावनी देते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का एक विशाल नौसैनिक बेड़ा ईरान की ओर रवाना हो चुका है।ईरान समझौता करना चाहता है, और अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो यह उनकी बेवकूफी होगी।

गुयाना की संसद में गूंजी शुद्ध हिंदी, भारतीय मूल के मंत्री ने बिना कागज के बहस की चुनौती दी

जॉर्जटाउन। दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना की संसद में उस समय एक ऐतिहासिक और गौरवशाली पल देखने को मिला, जब बजट 2026 पर चर्चा के दौरान हिंदी भाषा की गूँज सुनाई दी। भारतीय मूल के कृषि राज्य मंत्री विकाश रामकिसून ने अपनी भाषाई क्षमता पर सवाल उठाने वाले विपक्षी सांसदों को न केवल हिंदी में करारा जवाब दिया, बल्कि उन्हें बिना किसी तैयारी के शुद्ध हिंदी में बहस करने खुली चुनौती भी दे डाली।

भारत और दूसरे पार्टनर्स को रूस से तेल खरीदने से रोकने की कोशिश कर रहे ट्रंप

-बड़े देशों तक अपने एनर्जी सोर्स पहुंचाने अमेरिका उनके रास्तों पर कंट्रोल चाहता है- रूस

मास्को । रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने एक इंटरव्यू में अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत और दूसरे पार्टनर्स को रूस से तेल खरीदने से रोकने की कोशिशें हो रही हैं। रूस के विदेश मंत्री ने पिछले साल अलास्का में हुई शांति वार्ता जैसे कई मामलों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि कैसे वॉशिंगटन ने टैरिफ, बैन और सीधे रोक जैसे जबरदस्ती वाले तरीकों का इस्तेमाल करते हुए आर्थिक दबदबा बनाने का लक्ष्य रखा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लावरोव ने कहा कि अमेरिका हमसे कहता है कि यूक्रेन की समस्या का हल होना चाहिए।

एंकरेज में हमने अमेरिका का प्रपोजल मान लिया। यूएस की स्थिति हमारे लिए जरूरी थी। उनका प्रपोजल मानकर, ऐसा लगता है कि हमने यूक्रेनी मुद्दे को सुलझाने का काम पूरा कर लिया है और एक बड़े पैमाने पर और आपसी फायदे वाले सहयोग की ओर बढ़ रहे हैं। अभी तक असलियत बिल्कुल उलटी है। उन्होंने कहा कि नए बैन लगाए गए हैं, यूएन कन्वेंशन ऑन लॉ ऑफ द सी का उल्लंघन करते हुए खुले समुद्र में टैंकरों के खिलाफ जंग छेड़ी जा रही है। वे भारत और हमारे दूसरे साझीदारों को सस्ते, किफायती रूसी एनर्जी रिसोर्स खरीदने से बैन करने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें बहुत ज्यादा कीमतों पर यूएस एलएनजी खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अपने लिए आर्थिक दबदबा बनाने का लक्ष्य रखा है। बड़े देशों तक अपने एनर्जी सोर्स पहुंचाने के लिए अमेरिका उनके रास्तों पर कंट्रोल करना चाहता है। लावरोव ने कहा कि टैरिफ, सेंक्शन, सीधे रोक लगाना और कुछ लोगों को दूसरों से जुड़ने से रोकना, ये कदम अपने मकसद को पूरा करने के लिए उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें इन सब बातों का ध्यान रखना होगा और भारत, चीन, इंडोनेशिया और ब्राजील की तरह अमेरिका जैसी बड़ी ताकतों समेत सभी देशों के साथ सहयोग के लिए खुले रहना होगा। हम ऐसी स्थिति में हैं जहां अमेरिकी खुद ही रास्ते में बनावटी रुकावटें खड़ी कर रहे हैं।

बता दें उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा है कि भारत के एनर्जी से जुड़े फैसले देश के हित से ही तय होते रहेंगे। मिसरी ने कहा कि भारत तेल और गैस सेक्टर में इंपोर्टर है और एक डेवलपिंग इकॉनमी होने के नाते, उसे अपने रिसोर्स की उपलब्धता और महंगाई पर आयात निर्भरता के असर के बारे में पता होना चाहिए।

ईरान-अमेरिका परमाणु वार्ता के बीच नेतन्याहू का वॉशिंगटन दौरा: अब बैठक पर दुनिया की नजरें

यरूशलेम। ईरान और अमेरिका के बीच जारी परमाणु वार्ताओं के बावजूद मध्य पूर्व में तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों पक्षों की ओर से जारी धमकियों और कूटनीतिक रस्साकशी के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू एक बेहद महत्वपूर्ण मिशन पर अमेरिका रवाना हो रहे हैं। पीएम नेतन्याहू वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। रणनीतिक रूप से यह बैठक इसलिए भी खास है क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद से दोनों नेताओं के बीच यह सातवीं आधिकारिक मुलाकात होगी, जिसने ईरान की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

अमेरिका के लिए ईरान होने से पहले प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस यात्रा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी ये बार-बार होने वाली मुलाकातें इजरायल और अमेरिका के बीच के असाधारण और ऐतिहासिक संबंधों का प्रमाण हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच आज जितनी नजदीकी है, वैसी इजरायल के इतिहास में पहले कभी नहीं देखी गई। हालांकि इस यात्रा का मुख्य केंद्र गाजा की स्थिति और क्षेत्रीय सुरक्षा है, लेकिन नेतन्याहू के एजेंडे में सबसे ऊपर ईरान के साथ होने वाली परमाणु बातचीत और उससे जुड़ी इजरायली चिंताएं हैं। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि वह राष्ट्रपति ट्रंप के सामने बातचीत के उन क? सिद्धांतों को रखेंगे, जो न केवल इजरायल के अस्तित्व के लिए बल्कि पूरे मध्य पूर्व की शांति और सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं। इजरायली पक्ष का मानना है कि ईरान के साथ किसी भी नए समझौते में केवल परमाणु हथियारों को रोकने की बात नहीं होनी चाहिए, बल्कि यूरेनियम संवर्धन की किसी भी संभावना को पूरी तरह समाप्त करना होगा। इसके अलावा, इजरायल चाहता है कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर पूर्ण प्रतिबंध लगे और वह आतंकवाद की फंडिंग व समर्थन बंद करे। बैठक के समय को लेकर भी कई कयास लगाए जा रहे हैं। पहले यह यात्रा महीने के अंत में प्रस्तावित थी, लेकिन इसे अचानक समय से पहले तय किया गया। राजनीतिक विश्लेषक इसे ओमान में हाल ही में ईरान और अमेरिका के बीच हुई सकारात्मक बातचीत के प्रति इजरायल की सतर्कता के रूप में देख रहे हैं।

फूट-फूटकर रोया पाक कहा- एयरस्पेस दिया, पोर्ट दिया, अब हमें टॉयलेट पेपर की तरह यूज कर फेंक दिया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अमेरिका के कूटनीतिक संबंधों में एक बार फिर क?वाहट और ब? बदलाव के संकेत मिलने लगे हैं। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने नेशनल असेंबली में अमेरिका को लेकर एक बेहद तीखा और चौंकाने वाला बयान दिया है, जिसने अंतरराष्ट्रीय गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। रक्षा मंत्री ने सीधे तौर पर अमेरिका पर पाकिस्तान का शोषण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अमेरिका ने पाकिस्तान को टॉयलेट पेपर की तरह इस्तेमाल किया और अपना मतलब निकल जाने के बाद उसे दरकिनार कर दिया।

संसद में अपने संबोधन के दौरान ख्वाजा आसिफ ने न केवल अमेरिका की आलोचना की, बल्कि पाकिस्तान के इतिहास की उन गलतियों को भी कुरेदा जिन्होंने देश की दिशा बदल दी। उन्होंने पाकिस्तान के दो पूर्व सेना प्रमुखों, जनरल जियाउल हक और जनरल परवेज मुशर्रफ को इस स्थिति का मुख्य जिम्मेदार ठहराया। आसिफ ने कहा कि 1980 के दशक में अफगानिस्तान में रूस के खिलाफ विद्रोह अमेरिका के इशारे पर शुरू हुआ था। उस समय की पाकिस्तानी हुकूमत ने अपने निजी हितों के लिए इस युद्ध में कूदने का फैसला किया, जिसे उन्होंने देश की सबसे बड़ी ऐतिहासिक भूल करार दिया।

रक्षा मंत्री ने धार्मिक नैरेटिव पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिसे उस दौर में जिहाद का नाम दिया गया, वह हकीकत में जिहाद नहीं था। उन्होंने स्पष्ट किया कि रूस ने अफगानिस्तान पर कोई अवैध कब्जा नहीं किया था, बल्कि तत्कालीन अफगान सरकार ने ही रूस को आमंत्रित किया था। पाकिस्तान को इस जंग में बिल्कुल भी शामिल नहीं होना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने इन युद्धों में इस्लाम या देश की सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि केवल दो तानाशाहों को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने और महाशक्ति (सुपरपावर) की प्रशंसा पाने के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित की थी। ख्वाजा आसिफ ने यह भी खुलासा किया कि अमेरिका को खुश करने के लिए पाकिस्तान ने अपने शिक्षा पाठ्यक्रम (करिकुलम) तक में बदलाव कर दिए और अपने इतिहास को फिर से लिख डाला। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि आज तक वह पाठ्यक्रम बहाल नहीं हो सका है और देश उसके दुष्परिणाम झेल रहा है।

कनाडा के स्कूल में अंधाधुंध फायरिंग- हमलावर के अलावा 10 बच्चों की मौत, कई घायल

टंबलर रिज। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत स्थित टंबलर रिज कस्बे के एक स्कूल में मंगलवार को हुई भीषण गोलीबारी में 10 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मुख्य हमलावर भी मारा गया है। इस दर्दनाक घटना में दर्जनों लोग घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। जिस समय यह हमला हुआ, स्कूल में करीब 200 छात्र मौजूद थे। फिलहाल सुरक्षा कारणों से हमलावर की पहचान उजागर नहीं की गई है और पूरे इलाके को भारी पुलिस बल ने छावनी में तब्दील कर दिया है।

रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने पुष्टि की है कि एक संदिग्ध घटनास्थल पर मृत पाया गया है। पुलिस अधिकारी अब इस बात की गहनता से जांच कर रहे हैं कि क्या इस कृत्य में कोई दूसरा संदिग्ध भी शामिल था। करीब 2,400 की आबादी वाले इस शांत कस्बे में सुरक्षा के मद्देनजर निवासियों को घरों के भीतर ही रहने की सख्त हिदायत दी गई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पड़ोसी इलाकों से अतिरिक्त पुलिस कुमुक बुलाई गई है।पीस रिवर साउथ स्कूल डिस्ट्रिक्ट के अनुसार, घटना के बाद टंबलर रिज सेकेंडरी स्कूल और एलीमेंट्री स्कूल दोनों को लॉकडाउन पर रखा गया है, जिससे किसी भी व्यक्ति के अंदर आने या बाहर जाने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। स्थानीय विधायक लैरी न्यूफेल्ड ने बताया कि एंबुलेंस और अन्य आवश्यक संसाधन तेजी से मौके पर भेजे जा रहे हैं। उन्होंने समुदाय के लोगों से धैर्य बनाए रखने और सुरक्षित स्थानों पर ही रहने का आग्रह किया है। यह क्षेत्र वैंकूवर से लगभग 1,000 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। उल्लेखनीय है कि कनाडा में स्कूलों के भीतर गोलीबारी की ऐसी हिंसक घटनाएं अत्यंत दुर्लभ मानी जाती हैं, जिससे इस त्रासदी ने पूरे देश को झकझोर दिया है।

आर्थिक संकट की आहट के बीच जापान की नई प्रधानमंत्री सनाए तकाची के सामने कई चुनौतियां

टोक्यो। जापान में नई सरकार के साथ साथ नई चुनौतियां भी दिखाई दे रही हैं। जापान में हाल ही में संपन्न हुए आम चुनावों ने न केवल देश की राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ दिया है, बल्कि वैश्विक स्तर पर जापान की छिपी हुई आर्थिक कमजोरियों को भी उजागर कर दिया है। लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता सनाए तकाची ने इन चुनावों में 75.7 फीसदी सीटों पर ऐतिहासिक कब्जा जमाकर जबरदस्त जीत हासिल की है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद किसी भी जापानी नेता को मिला यह अब तक का सबसे बड़ा जनादेश है। हालांकि, यह जीत जितनी भव्य है, नई सरकार के सामने खड़ी आर्थिक चुनौतियां उतनी ही विकराल हैं। दुनिया अब तक जापान को केवल एक आर्थिक रोल मॉडल और तकनीक के गढ़ के रूप में देखती आई है, लेकिन इस चुनाव और इसके बाद की घोषणाओं ने वहां की अर्थव्यवस्था की एक बेहद पिछड़ी और संकटग्रस्त तस्वीर पेश की है।

ऐतिहासिक आंकड़ों पर नजर डालें तो दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद जापान वर्ष 1960 से 1980 के बीच एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनकर उभरा था। 90 के दशक तक जापान की जीडीपी ग्रोथ जी-7 देशों के मुकाबले काफी तेज थी, लेकिन इसके बाद से ही अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने लगा। 60 और 80 के दशक के बीच जहाँ जापान की विकास दर 16.4 फीसदी से 17.9 फीसदी के बीच रही थी, वहीं साल 2010 से 2024 के बीच यह गिरकर शून्य से भी 2.4 फीसदी नीचे चली गई है। यानी वर्तमान में जापान एक गंभीर मंदी के दौर से गुजर रहा है।

जापान इस समय आगे कुआं और पीछे खाई जैसी स्थिति का सामना कर रहा है। एक तरफ जीडीपी विकास दर नकारात्मक है, तो दूसरी तरफ सरकारी कर्ज का बोझ जीडीपी के मुकाबले 230 फीसदी के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। यह दशकों से चले आ रहे घाटे वाले खर्चों का परिणाम है।

बांग्लादेश में मतदान के एक दिन पहले हुई झड़प में नेता की आंख निकाली, सदमे से मां ने तोड़ा दम

ढाका। बांग्लादेश के बोगुरा जिले के नंदीग्राम उपजिले में चुनावी रंजिश और हिंसा का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां कल यानी 12 फरवरी को होने वाले मतदान से ठीक पहले बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ताओं के बीच हुई हिंसक झ?प में न केवल छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए, बल्कि नफरत इस कदर हावी हुई कि एक नेता की आंख ही निकाल दी गई। इस वीभत्स घटना के बाद इलाके में भारी तनाव व्याप्त है और राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

घटनाक्रम के अनुसार, सोमवार शाम करीब 7:30 बजे परशुन गांव में उस समय विवाद शुरू हुआ था जब जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ता चुनाव प्रचार कर रहे थे। मौके पर मौजूद बीएनपी समर्थकों ने उन पर मतदाताओं को लुभाने के लिए पैसे बांटने का आरोप लगाया। यह आरोप-प्रत्यारोप देखते ही देखते हिंसक झ?प में तब्दील हो गया। बताया जा रहा है कि बीएनपी कार्यकर्ताओं ने जमात के कुछ लोगों को पकड़ लिया और उन्हें स्थानीय नेता मसूद राना के घर ले गए। इसके कुछ ही देर बाद, अपने साथियों को छुड़ाने के लिए बड़ी संख्या में जमात कार्यकर्ता मसूद राना के घर पर धावा बोल दिया। इस हमले के दौरान हुई बर्बरता ने सबको हैरान कर दिया। बीएनपी उम्मीदवार मोशर्रफ हुसैन ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया कि हमलावरों ने मसूद राना की दाहिनी आंख फो?कर निकाल दी। मसूद को तत्काल बोगुरा के शहीद जियाउर रहमान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी स्थिति को अत्यंत गंभीर बताया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, मसूद की आंख की हड्डी टूट चुकी है और उनकी रोशनी वापस आने की संभावना बहुत कम है। उन्हें बेहतर उपचार के लिए ढाका स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थैल्मोलॉजी रेफर कर दिया गया है। इस हिंसा का दुखद पहलू केवल यहीं तक सीमित नहीं रहा। मोशर्रफ हुसैन ने दावा किया कि अपने बेटे के साथ हुई इस भयानक दरिंदगी की खबर सुनते ही मसूद राना की मां, राबेया की तबीयत बिगड़ गई और सदमे के कारण उनकी मौत हो गई।

चीन ने अंतरिक्ष युद्ध के लिए बनाया दुनिया का सबसे छोटा और घातक माइक्रोवेव हथियार

बीजिंग। चीनी वैज्ञानिकों ने रक्षा तकनीक के क्षेत्र में एक ऐसी बड़ी सफलता हासिल की है, जो भविष्य के युद्धों का स्वरूप पूरी तरह बदल सकती है। शोधकर्ताओं ने एक बेहद शक्तिशाली और कॉम्पैक्ट ऊर्जा जनरेटर विकसित किया है, जिसे विशेष रूप से एलन मस्क के स्टारलिंक जैसे विशाल सैटेलाइट नेटवर्क को निष्क्रिय करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस हथियार की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह अंतरिक्ष में बिना कोई मलबा फैलाए दुश्मन के उपग्रहों को पूरी तरह बेकार करने में सक्षम है। यही कारण है कि रक्षा विशेषज्ञ इसे चीन का स्टारलिंक किलर कह रहे हैं।

आकार और शक्ति के मामले में यह तकनीक बेजोड़ है। नॉर्थवेस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस हाई-पावर माइक्रोवेव हथियार, जिसे टीपीजी 1000सीएस नाम दिया गया है, की लंबाई मात्र 4 मीटर है और वजन केवल 5 टन है। अपने छोटे आकार और हल्के वजन के कारण इसे आसानी से ट्रकों, लड़ाकू विमानों या अन्य उपग्रहों पर तैनात किया जा सकता है। यह हथियार अपने भीतर से निकलने वाली विनाशकारी सूक्ष्म तरंगों के जरिए दुश्मन के उपग्रहों के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को तुरंत भस्म कर देता है।

तकनीकी रूप से इस हथियार को बेहद उन्नत बनाया गया है। इसमें मिडिल 7131 नामक एक विशेष तरल इन्सुलेटिंग सामग्री का उपयोग किया गया है, जो इसकी ऊर्जा भंडारण क्षमता को कई गुना बढ़ा देती है और ऊर्जा के नुकसान को कम करती है। चीन के इस कदम के पीछे मुख्य कारण रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान स्टारलिंक का सैन्य इस्तेमाल है। चीनी विशेषज्ञों का मानना है कि हजारों उपग्रहों का जाल उनकी अंतरिक्ष सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। पारंपरिक मिसाइलों से उपग्रहों को मार गिराने पर अंतरिक्ष में भारी मलबा पैदा होता है, जो भविष्य में खुद चीन के उपग्रहों के लिए भी खतरा बन सकता है।

ऐसे में यह माइक्रोवेव तकनीक चीन को बिना किसी भौतिक अवशेष या कचरे के अपने दुश्मनों पर बढ़त दिलाने में सक्षम बनाएगी।

महिला नेता की बात करने का तरीका नहीं आया पंसद.....ट्रंप ने बढ़ा दिया टैरिफ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्विट्जरलैंड पर टैरिफ बढ़ाया था। अब उन्होंने खुलकर इसकी वजह बात दी है। उन्होंने कहा है कि उन्हें स्विट्जरलैंड की महिला नेता का बात करने का तरीका पसंद नहीं आया। ट्रंप ने बताया कि महिला नेता छोटा देश होने का हवाला देकर टैरिफ में राहत की मांग भी कर रही थीं। ट्रंप ने स्विस फेडरल काउंसिल की सदस्य कैरिन कैलर सटर से हुई बातचीत का जिक्र किया। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने स्विस नेता को बता दिया कि छोटा देश होने के बाद अमेरिका के साथ उसका 42 बिलियन डॉलर का ट्रेड डेफिसिट है। ट्रंप ने कहा, मैंने 30 फीसदी टैरिफ लगाया था, जो काफी कम था। इसके बाद मुझे कॉल आया, जो मुझे लगा कि स्विट्जरलैंड की प्रधानमंत्री का था। और वह बहुत आक्रामक, लेकिन अच्छे से बात कर रहीं थीं। वह बहुत आक्रामक थीं। उन्होंने मुझसे कहा कि सर हम छोटे से देश हैं। हम ऐसा नहीं कर पाएंगे। हम ऐसा नहीं कर सकते। वह फोन रखने को तैयार ही नहीं थीं। ट्रंप ने कहा, नहीं, नहीं, हम एक छोटा देश हैं। बार-बार एक ही बात। वह फोन रखने के लिए तैयार ही नहीं थीं और टैरिफ 30 फीसदी था। और जिस तरह से उन्होंने मुझसे बात की मुझे अच्छा नहीं लगा। इसके बाद मैंने बढ़ाकर 39 प्रतिशत किया था। उन्होंने दावा किया कि स्विट्जरलैंड अपना सामान अमेरिका निर्यात कर रहा था, लेकिन कोई भी टैरिफ नहीं दे रहा था।

दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भी ट्रंप ने स्विट्जरलैंड की नेता से बात करने का दावा किया था। उन्होंने कहा था, मुझे लगता है प्रधानमंत्री थीं। मुझे नहीं पता राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री किसका फोन था।

तालिबान ने पाक से दवाओं के आयात पर लगाया बैन, भारत जैसे देशों पर नजर

-इस बैन से पाकिस्तान की फार्मा इंडस्ट्री को करोड़ों का होगा नुकसान

काबुल। अफगानिस्तान में सत्ता संभाल रहे तालिबान ने पाकिस्तान को बड़ा आर्थिक और कूटनीतिक झटका दिया है। तालिबान के वित्त मंत्रालय ने पाकिस्तान से दवाओं के आयात पर बैन लगाने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अफगान व्यापारियों को पाकिस्तान के बजाय अन्य वैकल्पिक व्यापारिक रास्तों को तलाशने का निर्देश दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान की फाइनेंस मंत्री के प्रवक्ता ने बताया कि यह प्रतिबंध सोमवार से लागू हो गया है। तालिबान प्रशासन ने न केवल आधिकारिक व्यापार बल्कि अवैध रास्तों से आने वाले सामान पर भी रोक लगाने का फैसला किया है। तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा और पकड़े गए सामान को नष्ट कर दिया जाएगा। इससे पहले मंत्रालय ने व्यापारियों को पाकिस्तान से जुड़े व्यापारिक लेनदेन और दस्तावेजों को खत्म करने के लिए 19 दिनों का समय दिया था।

बता दें पिछले कई महीनों से पाकिस्तान और तालिबान के बीच राजनीतिक तनाव चरम पर है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और तालिबान लड़ाकों के बीच लगातार झड़पें हो रही हैं। सितंबर से ही अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच मुख्य ट्रांजिट रूट और बॉर्डर क्रॉसिंग ज्यादातर बंद हैं। तालिबान के डिप्टी पीएम अब्दुल गनी बरादर ने पहले ही व्यापारियों से पाकिस्तान के साथ व्यापार निलंबित करने और वैकल्पिक गलियारों की पहचान करने का आग्रह किया था। पाकिस्तान पर यह प्रतिबंध अफगानिस्तान के लिए बड़ा जोखिम भी है, क्योंकि वहां की 70 फीसदी से ज्यादा दवाएं पाकिस्तान से आती थीं।

काबुल और हेरात जैसे शहरों में दवाओं की भारी किल्लत हो गई है और कीमतें आसमान छू रही हैं। इस कमी को पूरा करने के लिए तालिबान के अधिकारी पिछले महीने भारत, ईरान और तुर्की के दौरे पर गए थे। तालिबान अब पाकिस्तान के बजाय ईरान, तुर्की और भारत जैसे भरोसेमंद देशों से फार्मास्यूटिकल आयात के लिए नए रास्ते खोलना चाहता है।

रंगसंसार

मेरे पिता असली नाग थे, तो क्या मैं भी नागिन हूं?- एकता कपूर

मुंबई । मशहूर टीवी और फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने पिता जितेंद्र के बारे में मजेदार पोस्ट लिखा है। सोशल मीडिया पर जितेंद्र की फिल्म नागिन का वीडियो शेयर कर एकता ने खुलासा किया कि अगर उनके पिता नाग हैं तो क्या एकता प्रोड्यूसर हैं। दरअसल, एकता ने जितेंद्र की फिल्म नागिन का गाना तेरे संग प्यार में का वीडियो शेयर किया। इसमें जितेंद्र अभिनेत्री रीना रॉय के साथ डांस कर रहे हैं।

एकता ने पोस्ट कर लिखा, मेरे पिता असली नाग (इच्छाधारी) थे, तो क्या इसका मतलब है कि मैं भी नागिन हूं? 1976 की फिल्म नागिन में जितेंद्र ने एक अहम भूमिका निभाई थी, जो इच्छाधारी नाग-नागिन की कहानी पर आधारित थी। साँग तेरे संग प्यार में की बात करें तो इसे लता मंगेश्कर और महेंद्र कपूर ने अपने सुरों से सजाया है और वर्मा मलिक ने इसके लिरिक्स लिखे हैं, जबकि लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने इसका संगीत तैयार किया है।

साल 1976 में रिलीज हुई लोकप्रिय फिल्म नागिन में जितेंद्र ने मुख्य भूमिका (नाग के रूप में) निभाई थी, और रीना रॉय इच्छाधारी नागिन बनी थीं। राज कुमार कोहली द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपने समय की सबसे बड़ी मल्टी-स्टारर फिल्मों में से एक थी, जिसमें सुनील दत्त, रेखा, मुमताज, फिरोज खान और संजय खान जैसे कलाकार भी शामिल थे। फिल्म की कहानी एक इच्छाधारी नागिन की थी, जो अपने प्रेमी (जितेंद्र) की हत्या का बदला लेने के लिए शिकारियों के समूह को एक-एक करके मारती है। एकता कपूर नागिन फ्रेंचाइजी की निर्माता के रूप में भी जानी जाती हैं। उन्होंने नागिन सीरीज के कई सीजन प्रोड्यूस किए हैं, जो टेलीविजन पर काफी लोकप्रिय हुए। इन दिनों नागिन 7 टीवी पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री प्रियंका चौधरी मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं।

घूसखोर पंडितसे पहले भी कई फिल्मों के बदलने पडे है टाइटल

मुंबई बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी स्टारर अपकमिंग फिल्म च्घूसखोर पंडितज् अपने नाम के चलते विरोध के केंद्र में आ गई है। इस फिल्म के शीर्षक को लेकर विवाद गहरा गया है। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी एक भ्रष्ट पुलिस अधिकारी पर आधारित है, जिसे लोग च्घूसखोर पंडितज् के नाम से जानते हैं।

मजेदार पोस्ट के जरिए ट्विंकल ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड अभिनेत्री एवं लेखिका ट्विंकल खन्ना ने इंस्टाग्राम पर हल्की-फुल्की और मजेदार पोस्ट के जरिए फिर से फैंस का दिल जीत लिया। एक्ट्रेस ने अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वे आइसक्रीम का मजा लेती दिखाई दे रही है। ट्विंकल ने इस पोस्ट के साथ मिठाई प्रेमियों के लिए मजाकिया अंदाज में तीन च्जरूरी नियमज् भी लिखे।

उन्होंने लिखा, च्खाने के शौक के तीन नियमः पहला, मिठाई हमेशा जीतती है। दूसरा, बांटने का नाटक करना जरूरी है, भले ही मन में जरा भी इरादा न हो। तीसरा, बातचीत का सही तरीका है नकली मुक्का दिखाना।ज् ट्विंकल ने आगे मजाक में कहा कि अगर इन नियमों का पालन करेंगे, तो मजेदार तस्वीरें भी मिलेंगी और मिठाई भी पूरी आपकी ही रहेगी। उन्होंने पोस्ट के अंत में फैंस को मजेदार चुनौती देते हुए पूछा, च्आप बताइए, आपकी टेबल पर इस जंग में सबसे पहले कौन हारेगा? नीचे उसे टैग करें।ज् उनके इस ह्यूमर भरे अंदाज पर फैंस जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और पोस्ट इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।

ट्विंकल खन्ना बॉलीवुड की लोकप्रिय स्टारकिड रही हैं और उन्होंने 1995 में फिल्म च्बरसातज् से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। कुछ वर्षों तक फिल्मों में काम करने के बाद उन्होंने 2001 में अभिनेता अक्षय कुमार से शादी कर ली और उसके बाद अभिनय से दूरी बना ली। उन्होंने बतौर लेखिका और इंटीरियर डिजाइनर अपनी नई पहचान मजबूत की और आज वे एक सफल लेखक और डिजाइनर के रूप में जानी जाती हैं। हाल ही में ट्विंकल ने काजोल के साथ टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल शो होस्ट किया था। इस शो में दोनों ने कई सेलेब्रिटीज को बुलाकर उनके करियर, जीवन और इंडस्ट्री के अनुभवों पर दिलचस्प बातचीत की। यह शो फिलहाल प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है और दर्शकों द्वारा सराहा भी जा रहा है।

इसी नाम को लेकर सोशल मीडिया और कई संगठनों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि शीर्षक किसी विशेष जाति को निशाना बनाता है, इसलिए इसे बदलना चाहिए। यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी फिल्म के नाम या थीम को लेकर इतना विवाद उठ खड़ा हुआ है। बॉलीवुड में कई बड़ी फिल्मों को विरोध, कानूनी नोटिस और सेंसरशिप की मांगों के चलते अपना टाइटल बदलना पड़ा है। हाल के वर्षों में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं। साल 2023 में रिलीज हुई कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी स्टारर फिल्म च्सत्यप्रेम की कथाज् का मूल नाम च्सत्यनारायण की कथाज् था।

धार्मिक भावनाएं आहत होने के आरोप लगने के बाद मेकर्स ने नाम बदलना पड़ा। इसी तरह 2020 में अक्षय कुमार की फिल्म च्लक्ष्मी बॉम्बज् को भी केवल च्लक्ष्मीज् करना पड़ा, जब देवी लक्ष्मी के नाम के साथ च्बॉम्बज् शब्द जोड़ने पर आपत्ति जताई गई और राजनीतिक विवाद शुरू हो गया। अजय देवगन की फिल्म च्थैंक गॉडज् भी विवादों से अछूती नहीं रही। फिल्म में अजय का किरदार चित्रगुप्त से प्रेरित था, लेकिन देवता का मजाक उड़ाने के आरोप में विरोध बढ़ा तो टीम ने नाम बदलकर किरदार को केवल च्सीजीजी् कर दिया। इसी तरह सलमान खान प्रोड्यूस्ड फिल्म च्लवरात्रिज् को भी नवरात्रि से मिलते-जुलते नाम पर उठे विवाद के बाद च्लवयात्रीज् करना पड़ा। संजय लीला भंसाली की चर्चित फिल्म च्पद्मावतीज् 2018 में उग्र विरोध के बाद च्पद्मावतज् बनकर रिलीज हुई। करणी सेना ने ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ और रानी पद्मावती के चरित्र के गलत चित्रण का आरोप लगाया था। नाम बदलने के साथ कुछ दृश्यों को भी हटाया गया। भंसाली की ही एक और फिल्म च्रामलीलाज् को अपने मूल नाम पर विरोध झेलना पड़ा, जिसके बाद इसे च्गोलियों की रासलीला रामलीलाज् के नाम से दर्शकों तक पहुंचाया गया।

मलेशिया में प्रधानमंत्री मोदी की चिंता?

मलेशिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद पर दौहरा मानदंड नहीं चलेगा। भारत और मलेशिया ने आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ाई लड़ने का फैसला किया है। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने मलेशिया में तमिलों को लेकर कहा मलेशिया और पूर्व दक्षिण एशिया के देशों में बड़ी संख्या में तमिल रहते हैं। उनके प्रति मोदी ने प्रेम प्रदर्शित किया। प्रधानमंत्री जहां जाते हैं,वहां कोई ना कोई चुनावी रणनीति को पूरा करके आते हैं। अगले कुछ महीनो में तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव हैं। विदेश में बसे तमिलों के प्रति उन्होंने तमिल भाषा के प्रति प्रेम प्रदर्शित कर तमिलनाडु चुनाव की विसात बिछा दी है।

दैनिक पंचांग

12 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय
सूर्य	मकर में	कुंभ 06.41 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मीन 08.14 बजे से
मंगल	मकर में	मेष 09.45 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष 11.25 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन 13.23 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क 15.36 बजे से
शनि	मीन में	सिंह 17.52 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या 20.04 बजे से
केतु	सिंह में	तुला 22.15 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		वृश्चिक 00.30 बजे से
		धनु 02.46 बजे से
		मकर 04.51 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 43 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण
तिथि दशमी 12.23 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रवेवती 13.43 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 03.06 बजे रात्र को समाप्त।
करण विष्टि 12.23 बजे तदनन्तर बव 01.28 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्राय्य 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 13° 46'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872618
जूलियन दिन 2461083.5
कलियुग संवत् 5126
कल्यादि संवत् 1972949123
सृष्टि प्रारंभ संवत् 1955885123
बोरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना साबान तारीख 23
विशेष महर्षि दयानन्द सरस्वती जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया मुहाबाशुभ- शुभलाभ श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा किन्तु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। e.Jagrutidaur.com, Bangalore

नक्सलवाद को लेकर शाह के दावे?

गृहमंत्री अमित शाह द्वारा नक्सलवाद को लेकर कई महीनो से बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। लेकिन नक्सलवाद उनके पीछा नहीं छोड़ रहा है। छत्तीसगढ़ में गृहमंत्री पहुंचे। कुछ दिन पहले वहां नक्सलवादियों को मारा गया है।पिछले 1 साल से नक्सलवाद को खत्म करने की कार्रवाई चल रही है। सरकार ने 31 मार्च को समय सीमा तय की है। इस समयसीमा में सैकड़ो नक्सलवादी अभी तक मारे जा चुके हैं। हजारों नक्सलवादियों ने सरकार के समक्ष समर्पण कर दिया है।बार-बार नए-नए दावे सरकार के आते हैं। कुछ समय के बाद वहां नक्सली घटनाएं भी सामने आती हैं। जो गृहमंत्री के दावे के विपरीत होते हैं। जैसे ही गृहमंत्री कोई दावा करते हैं। उसके तुरंत बाद कोई ना कोई नक्सली घटना हो जाती है। किसकी ताकत ज्यादा है, यह तो भगवान ही जानते हैं।

संघ कहेगा तो भागवत पद छोड़ेंगे?

संघ के 100 वर्ष का सफर पूरा होने के बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है। यदि संघ कहेगा तो वह अपना पद छोड़ देंगे।उन्होंने कहा कि संघ में उत्तराधिकारी चुनकर रिटायर होने की परंपरा रही है। अगर संघ चाहेगा तो वह अपना पद छोड़ देंगे।

उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल की घाटी में हिम तेंदुए की दस्तक

दुर्लभ

'हिडन हिमालयाज आफ उत्तराखंड' के वैज्ञानिकों के अनुसार पिथौरागढ़ जिले की दारमा घाटी के उच्च हिमालय क्षेत्र में हिम तेंदुआ आखिरी बार दो फरवरी 2022 में देखने को मिला था और अब फरवरी 2026 में ठीक चार साल बाद हिम तेंदुआ और स्नो काक वैज्ञानिकों के दल के कमरे में कैद हुए हैं। स्नो काक विलुप्ति के कगार पर माना जाता है। यह दोनों वन्य जीव अत्यंत दुर्लभ हो चुके हैं।

उत्तराखंड जहां देवभूमि के रूप में विख्यात है, वही यह पर्वतीय राज्य अपनी प्राकृतिक सौंदर्यता, जड़ी बूटियों और वन्यजीवों के संरक्षण और संवर्धन के लिए स्वर्ग माना जाता है। हिमालय के इस राज्य में कई विलक्षण जड़ी बूटियां और कई किस्म के विलक्षण वन्य जीव हैं, वैसे तो पर्वतीय राज्य उत्तराखंड पर्यटन की दृष्टि से भी समृद्ध माना जाता है। पिछले दिनों उत्तराखंड में कई दुर्लभ वन्य जीव देखने को मिले हैं, इसी क्रम में उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के सीमांत जिले पिथौरागढ़ की दारमा घाटी में दुर्लभ हिम तेंदुआ नजर आया है, जो उच्च हिमालय क्षेत्र में पाया जाता है।

वन्य जीव वैज्ञानिकों के अनुसार इस घाटी में हिम तेंदुआ चार साल बाद देखने को मिला है। चार साल तक जब हिम तेंदुआ इस घाटी में दिखाई नहीं दे रहा था, तब वन्य जीव वैज्ञानिक बहुत निराश थे और इस क्षेत्र में इस दुर्लभ प्रजाति के तेंदुए के विलुप्त होने की चिंता में लगे हुए थे। परंतु दुर्लभ प्रजाति के वन्य जीवों की रक्षा के लिए कई वर्षों से इस क्षेत्र में कार्य करने वाली हिडन हिमालयाज आफ उत्तराखंड के वैज्ञानिकों की एक दल के कमरे में दुर्लभ प्रजाति का यह हिम तेंदुआ कैद हो गया तो वन्य जीव वैज्ञानिकों के इस दल में खुशी का माहौल देखने को मिला।

'हिडन हिमालयाज आफ उत्तराखंड' नामक संस्था इस क्षेत्र में पिछले सात सालों से दुर्लभ वन्य जीवों पर कार्य कर रही है। यह संस्था से जुड़े वन्यजीवों के विशेष जानकार जयेंद्र सिंह का कहना है कि पिथौरागढ़ जिले की दारमा घाटी में जहां एक और चार साल बाद दुर्लभ हिम तेंदुआ दिखाई दिया, वहीं दूसरी ओर तीन साल बाद स्नो काक नजर आए। इससे साबित होता है कि यह घाटी दुर्लभ वन्य जीवों के संरक्षण और संवर्धन के लिए उनकी पहली पसंद बनती जा रही है, जो वन्य जीव वैज्ञानिकों के लिए बहुत संतोषजनक बात है।दारमा घाटी के बारे में कहा जाता है कि यहां पर उत्तराखंड का राज्य पक्षी मोनाल के अलावा हिमालयन थार, ब्लू शीप, हेडेड वल्चर चुकाकार, फिंच, काला भालू जैसे दुर्लभ वन्य जीव और वन्य पक्षी पाए जाते हैं।

वन्यजीव वैज्ञानिकों के अनुसार हिम तेंदुआ समुद्र तल से 3000 से 4500 मीटर की ऊंचाई पर उच्च हिमालय क्षेत्र में पाया जाता है क्योंकि उसके लिए यह ऊंचाई पारिस्थितिकी तंत्र के अनुसार बहुत महत्त्वपूर्ण है इस समय हिम तेंदुए धीरे-धीरे काम होते जा रहे हैं जिसका कारण अवैध शिकार माना जाता है साथ ही जलवायु परिवर्तन का असर भी ऊंचे हिमालय क्षेत्र के दुर्लभ वन्य जीवों और पक्षियों पर सीधे-सीधे दिखाई दे रहा है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला क्षेत्र में तीन घाटियों दारमा, व्यास व्यास और चौदास में वैज्ञानिकों के दल दुर्लभ वन्य जीवों की सुरक्षा और उनके संवर्धन के लिए विशेष जन जागरूकता अभियान चलाए हुए हैं और इस संदर्भ में हिडन हिमालयाज आफ उत्तराखंड सस्ता बहुत ही बेहतर ढंग से कार्य कर रही है वन्य जीव वैज्ञानिकों की इस संस्था का कहना है कि वन्य जीव जंतुओं की रक्षा करने का फर्ज उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ता है संस्था का कहना है कि यदि हमने भविष्य में वन्य जीव जंतुओं के संरक्षण और संवर्धन का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया तो उत्तराखंड आने वाले सालों में वन्य जीव जंतु पर्यटन के रूप में देश का एक समृद्ध राज्य बनकर उभरेगा।

नौवीं के पाठ्यक्रम में प्रायिकता और क्षेत्रफल व परिमाप शामिल

शिक्षा

नए पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार पुस्तक इस साल नौवीं में लागू की जाएंगी

मसविदा के मुताबिक कक्षा नौ में गणित विषय की किताब में कुल 15 अध्याय हैं।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा नौवीं के गणित और सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। नए पाठ्यक्रम के तहत गणित की किताब में प्रायिकता, क्षेत्रफल व परिमाप तथा अनुक्रम व प्रगति जैसे अध्याय शामिल किए गए हैं, जो वर्तमान में कक्षा दसवीं में पढ़ाए जाते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप तैयार राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे (एनसीएफ) के आधार पर ये पुस्तकें अकादमिक वर्ष 2026-27 से लागू होंगी।

एनसीईआरटी ने हाल ही में नई पुस्तकों के पाठ्यक्रम का मसविदा जारी किया है। मसविदे के अनुसार, कक्षा नौवीं की गणित पुस्तक में कुल 15 अध्याय होंगे, जबकि वर्तमान किताब में केवल 12 अध्याय हैं। पुराने सभी अध्यायों को बनाए रखते हुए तीन नए अध्याय जोड़े गए हैं। प्रायिकता का अध्याय अब नौवीं में स्थानांतरित हो गया है। इसमें विद्यार्थियों को घटनाओं की प्रायिकता की गणना सिखाई जाएगी। अवधारणा को आरेखों और तालिकाओं के माध्यम से सरलता से समझाया जाएगा, ताकि विद्यार्थी आसानी से ग्रहण कर सकें। क्षेत्रफल व परिमाप अध्याय में हीरोज फार्मूला को शामिल किया गया है, जो पहले अलग अध्याय था। भारतीय गणितज्ञों बौधायन और ब्रह्मगुप्त के सूत्रों का भी उल्लेख होगा। साथ ही, पाई का मूल्य और वृत्त के परिमाप की गणना पर जोर दिया जाएगा।

अनुक्रम व प्रगति अध्याय में अंकगणितीय प्रगति (एपी) और ज्यामितीय प्रगति (जीपी) के सिद्धांत पढ़ाए जाएंगे। ये बदलाव विद्यार्थियों की गणितीय समझ को मजबूत बनाने और उच्च कक्षाओं के लिए आधार तैयार करने के उद्देश्य से किए गए हैं। सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम में भी व्यापक परिवर्तन हुए हैं। अब दो पुस्तकों में कुल 16 अध्याय होंगे। राजनीतिक शास्त्र पुस्तक में 'चुनावी राजनीति' अध्याय के स्थान पर 'चुनाव' शीर्षक वाला नया अध्याय होगा। इसमें भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआइ) की संरचना, कार्यों और भूमिका पर विस्तार से चर्चा होगी। आयोग के स्वतंत्र संचालन, चुनाव प्रक्रिया प्रबंधन और लोकतंत्र मजबूत करने वाली भूमिकाओं को समझाया जाएगा।

इसके अलावा, नई पुस्तकों में 'विचार से स्टार्टअप तक' अध्याय जोड़ा गया है। देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम के तेज विकास को देखते हुए यह कदम महत्त्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को उद्यमिता की बुनियादी समझ दी जाएगी। व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन पर भी नया फोकस है। बचत, निवेश, व्यक्तिगत ऋण, बीमा और आयकर जैसे विषयों को शामिल किया गया है।

स्कूलों में अब तक ये व्यावहारिक ज्ञान सीमित था, लेकिन अब छात्र वित्तीय साक्षरता से लैस होंगे। ये बदलाव एनईपी के लक्ष्यों जैसे समग्र विकास, व्यावहारिक शिक्षा और भारतीय संदर्भों को मजबूत करने के अनुरूप हैं। एनसीईआरटी ने पुस्तकें तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया है। मसविदे पर सुझाव आमंत्रित किए गए हैं, ताकि अंतिम पुस्तकें और प्रभावी हों।

यूरोप में अवसर तलाश रहे जैविक उत्पाद निर्यातक

व्यापार

भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता पूरा होने की घोषणा के बाद असम, मेघालय और केरल समेत देश के 20 से अधिक राज्यों के प्रदर्शक जर्मनी के न्यूर्नबर्ग शहर में आयोजित विश्व के सबसे बड़े 'जैविक खाद्य व्यापार मेले' में अपने उत्पाद प्रदर्शित कर रहे हैं।

वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस पहल से यूरोपीय देशों में भारत के जैविक उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। भारत और यूरोपीय संघ ने 27 जनवरी को व्यापक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की घोषणा की थी, जिसके इस वर्ष लागू होने की संभावना है।

इससे 27 देशों वाले यूरोपीय समूह में भारतीय निर्यातकों के लिए बड़े अवसर खुलेंगे। इस चार दिन तक चलने वाले मेले में भारत को वर्ष का देश घोषित किया गया है। इस मेले की शुरुआत 10 फरवरी से हुई।

वाणिज्य मंत्रालय की इकाई कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के अनुसार, मेले में भारत की भागीदारी देश से बढ़ते जैविक निर्यात, वैश्विक मांग में वृद्धि और निर्यातकों तथा किसान उत्पादक संगठनों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है। दिल्ली, गुजरात, मेघालय, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड सहित 20 से अधिक राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से प्रदर्शक यहां पहुंचे हैं। करीब 67 सह-प्रदर्शक चावल, तिलहन, जड़ी-बूटियां, मसाले, दालें, काजू, अदरक, हल्दी, बड़ी इलायची, चालचीनी, आम का गूदा और सुगंधित तेल जैसे उत्पाद प्रदर्शित कर रहे हैं। इनमें निर्यातक, किसान उत्पादक संगठन, सहकारी संस्थाएं, जैविक परीक्षण प्रयोगशालाएं, राज्य सरकारी संस्थाएं और जिंस बोर्ड शामिल हैं।

संघर्ष के दिन याद किए सुभाष घई ने, साझा की यादें

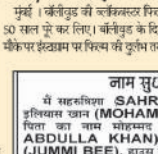

सुभाष घई के लिए उनकी पहली निर्देशित फिल्म च्कालीचरणज् सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ रही है। तस्वीरों में शत्रुघ्न सिन्हा, रीना रॉय और फिल्म की पूरी टीम नजर आ रही है जिसने एक पुराने कैमिलोर में अहम भूमिका निभाई थी। सुभाष घई ने भावुक होते हुए

मुंबई । बॉलीवुड की क्लासिक फिल्म च्कालीचरणज् ने अपनी रिलीज के 50 साल पूरे कर लिए। बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक सुभाष घई ने इस खास मौके पर इंस्टाग्राम पर फिल्म की दुर्लभ तस्वीरें साझा कर पुराने दिनों को याद किया।

नाम सुधार सूचना

मैं सहरुन्निशा (SAHRUNNISHA) पति मोहम्मद इलियास खान (MOHAMMAD ILIYAS KHAN) पिता का नाम मोहम्मद अब्दुल्ला खान (MOHD. ABDULLA KHAN) माता का नाम जुम्मी बी (JUMMI BEE), हाउस नं. 108/1, वार्ड नं. 08 पतानी मोहल्ला ग्राम अमिरती, पोस्ट बड़ी पाती अमिरती, रीवा म.प्र. 486553 की निवासी हूं। यह कि मेरा पासपोर्ट बना था जिसमें मेरा नाम सहरुन्निशा (SHARUNNISHA) पति मोहम्मद इलियास खान (MOHMMAD ELIYAS KHAN) पिता का नाम मोहम्मद अब्दुल्ला खान (MOHAMMAD ABDULLA KHAN) माता का नाम जुम्मी बी (JUMMI BEE) दर्ज हो गया है जबकि मेरा सही नाम सहरुन्निशा (SAHRUNNISHA) पति मोहम्मद इलियास खान (MOHAMMAD ILIYAS KHAN) पिता का नाम मोहम्मद अब्दुल्ला खान (MOHD. ABDULLA KHAN) माता का नाम जुम्मी बी (JUMMI BEE) दर्ज किया जाये और मुझे इसी नाम से जाना पहचाना लिखा व पढ़ा जाये।

SAHRUNNISHA

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म0प्र0)

क्रमांक/767/ राजस्व/न.पा.नि./2026 रीवा, दिनांक 11/02/202-6

अचल सम्पत्ति नामान्तरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व नगर सुधार न्यास रीवा की योजना क्रमांक<क्ष्0ठ्ठ>-8 विवेकानंद नगर रीवा जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है, में स्थित भूखंण्ड क्रमांक 2/85 क्षेत्रफल 674.65 वर्गफिट श्री फूलचन्द्र गुप्ता पिता स्व. श्री हनुमान प्रसाद गुप्ता को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है, जिसका नामान्तरण श्री जय प्रकाश गुप्ता पिता श्री फूलचन्द्र गुप्ता निवासी ग्राम-पो0 देरा तहसील मऊगंज जिला-मऊगंज (म0प्र0) के नाम किये जाने हेतु दिनांक 18.12.2023 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भूखंण्ड क्रमांक 2/85 के नामान्तरण में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात् कोई आवेदन/आपत्ति न ही ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात् आवेदक श्री फूलचन्द्र गुप्ता पिता स्व. श्री हनुमान प्रसाद गुप्ता निवासी ग्राम-पो0 देरा तहसील मऊगंज जिला- मऊगंज (म0प्र0) के आवेदन अनुसार भूखंण्ड क्रमांक 2/85 का नामान्तरण श्री जय प्रकाश गुप्ता पिता श्री फूलचन्द्र गुप्ता निवासी ग्राम-पो0 देरा तहसील मऊगंज जिला- मऊगंज (म0प्र0) के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)
हेतु आयुक्त
नगर पालिक निगम
रीवा (म.प्र.)

एसए20 में खेलने से फायदा हुआ - राशिद

अहमदाबाद। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान राशिद खान ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका की टी20 लीग एसए20 में खेलने से उन्हें काफी लाभ हुआ है। राशिद विश्वकप से पहले एसए20 खेलने के लिए दक्षिण अफ्रीका गये थे। वहां खेलने से उनको लय हासिल हो गयी थी। राशिद के अनुसार अपने इस अनुभवी को उन्होंने टीम के अन्य खिलाड़ियों से भी साझा किया है। जिससे भी युवाओं को लाभ होगा। राशिद पिछले चार सत्र से दक्षिण अफ्रीकी लीग में खेल रहे हैं।

धवन बने दिल्ली खेल महाकुंभ के ब्रांड एम्बेसडर

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन को खेल महाकुंभ का ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि धवन ने दिल्ली सरकार की खेलों के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए स्वयं यह जिम्मेदारी स्वीकार की है। वहीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने धवन का आभार जताते हुए दिल्ली के खिलाड़ियों के प्रति उनके योगदान की प्रशंसा की है। दिल्ली सरकार को भरोसा है कि धवन के मार्गदर्शन और प्रेरणा से युवा खिलाड़ियों में नया उत्साह जगेगा और उन्हें नई पहचान मिलेगी।

अब एसोसिएट टीमों का प्रदर्शन भी बेहतर हुआ

नई दिल्ली। इस बार टी20 विश्वकप में कमजोर मानी जाने वाली एसोसिएट टीमें भी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। नेपाल ने जिस प्रकार पहले ही मैच में इंग्लैंड को जोरदार टक्कर दी उससे ये बात साबत होती है। वहीं भारत को अमेरिका और पाकिस्तान को नीदरलैंड से कड़ी टक्कर मिली है। इससे ये साफ हो गया है कि इन टीमों का स्तर भी अब बढ़ता जा रहा है।

हसरंगा टी20 विश्व कप से बाहर हुए, दुशान हेमंथा को मिल सकती है जगह

कोलंबो। श्रीलंका के रहस्यमयी स्पिनर वानिंदु हसरंगा हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गये हैं। हसरंगा जैसे बेहतरीन गेंदबाज का इस प्रकार टूर्नामेंट से बाहर होना सह-मेजबान श्रीलंका के लिए करारा झटका है। हसरंगा को आयरलैंड के खिलाफ हुए मैच के दौरान चोट लगी थी और एमआरआई स्कैन जांच के बाद ये पाया गया कि वह अब आगे नहीं खेल पायेंगे।

नीदरलैंड टीम ने दबाव का सामना करने मनोवैज्ञानिक की सलाह ली

नई दिल्ली। नीदरलैंड की टीम ने इस बार टी20 विश्वकप क्रिकेट में दबाव का बेहतर तरीके से सामना करने के लिए मनोवैज्ञानिक की सलाह के अनुसार काम कर रही है। खिलाड़ियों को फटकारने से बेहतर है कि उन्हें अपने अनुसार खेलने दें और दबाव न बनायें।

टी20 विश्वकप में नेपाल और इटली का आज होगा मुकाबला

दोपहर 3:00 बजे से होगा मैच

मुंबई। टी20 विश्वकप में गुरुवार को वहां नेपाल की टीम का मुकाबला इटली से होगा। अपने पहले ही मैच में इंग्लैंड के खिलाफ केवल 4 रनों से हारी नेपाल की टीम इस मैच को जीतने के इरादे से उतरेगी। जिस प्रकार उसने पहले ही मैच में दो बार विजेता रही इंग्लैंड को टक्कर दी है उससे तय है कि वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। वहीं इटली की टीम पहली बार इस प्रतियोगिता में भाग ले रही है जबकि नेपाल ने साल 2014 में हांगकांग और अफगानिस्तान को हराया था पर उसके बाद नेपाल एक भी मैच नहीं जीत पाया है। नेपाल तीन अवसरों पर टेस्ट खेलने वाले देशों को हराने के बेहद करीब पहुंचा पर अंत में उसे हार का सामना करना पड़ा था। वह 2024 में दक्षिण अफ्रीका से वह केवल एक रन से और बांग्लादेश से 21 रन से हार गया था।

इंग्लैंड के खिलाफ वह पहले मैच में लक्ष्य हासिल करने के करीब पहुंच गया था पर अंत में उसे चार रन से हार झेलनी पड़ी। नेपाल के क्रिकेटरों के प्रदर्शन की काफी तारीफ भी हुई है। इटली के खिलाफ भी पूरी संभावना है कि दर्शक उसे पूरा समर्थन देंगे।

नेपाल के पास कुशल भुर्टेल के रूप में शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाज है, वहीं दीपेंद्र सिंह ऐरी, कप्तान रोहित पौडेल और आरिफ शेख मध्य क्रम को मजबूती प्रदान करते हैं। लोकेश बाम ने अपने आक्रामक स्ट्रोक प्ले से जोफ्रा आर्चर और आदिल राशिद जैसे कुशल गेंदबाजों को भी पीट दिया। नेपाल को हालांकि कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है। इंग्लैंड के खिलाफ बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने बीच के ओवरों में पर्याप्त चौके नहीं लगाए। उन्हें विकेटों के बीच दौड़ में भी सुधार करना होगा। दूसरी ओर इटली टूर्नामेंट के पहले मैच में स्कॉटलैंड से मिली 73 रन की करारी हार से उबरकर नए सिरे से शुरुआत करना चाहेगा। इस मैच के दौरान इटली के कप्तान वेन मैडसेन के कंधे में भी चोट लग गई थी और पूरी संभावना है कि नेपाल के खिलाफ हैरी मैनेटी टीम की कप्तानी करेंगे। इटली ने स्कॉटलैंड के खिलाफ गेंदबाजी में कई बदलाव किये पर उसे सफलता नहीं मिली। नेपाल के खिलाफ इटली को अगर जीत दर्ज करनी है तो उसके सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे सुपर ओवर में हासिल की जीत

4 रनों से हारा अफगानिस्तान

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका ने यहां हुए बेहद रोमांचक आईसीसी टी20 विश्व कप मुकाबले में अफगानिस्तान को दूसरे सुपर ओवर में चार रनों से हरा दिया। इस प्रकार अफगान टीम जीत के करीब आकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी। इस मैच में जीत के लिए मिले 188 रनों का पीछा करते हुए अफगानिस्तान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 13 रन चाहिए थे पर मैच टाई रहा। इसके बाद सुपर ओवर में अफगानिस्तान ने 17 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने भी ओवर की अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर मैच टाई कर दिया। इसके बाद दूसरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका ने 23 रन बजाया जिसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 19 रन ही बना सकी और मुकाबला मुकाबला हार गयी। इससे पहले क्विंटन डिकॉक और रयान रिकल्टन के अर्धशतकों से दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 187 रन बनाए हैं। । इस मैच में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान एडन मार्करम 8 गेंद पर 5 रन बनाकर शुरुआत में ही फजलहक फारुखी की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद डिकॉक और रिकल्टन ने जबरदस्त बल्लेबाजी कर पारी को संभाला। डिकॉक और रिकल्टन ने दूसरे विकेट के लिए 114 रन बनाये। इसके बाद अफगान टीम के कप्तान राशिद खान ने डिकॉक और रिकल्टन को एक ही ओवर में आउट कर दक्षिण अफ्रीका पर दबाव बना दिया।

डिकॉक ने 41 गेंदों पर 3 छक्कों और 5 चौकों की सहायता से 59 रन बनाये जबकि रिकल्टन ने 28 गेंद पर 4 छक्कों और 5 चौकों की सहायता से 61 रन बनाये। डेवाल्ड ब्रेविस ने 23 रन बनाये। ट्रिस्टन स्टब्स केवल एक रन ही बना पाये।

डेविड मिलर ने अंत में 15 गेंद पर 20 रन और मार्को जानसेन ने 7 गेंद पर 16 रन बनाकर पारी को 187 तक पहुंचाया।

सचिन ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर बेटे अर्जुन की शादी का निमंत्रण दिया

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने आज अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें अपने बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर उनकी होने वाली बहू सानिया चंडोक भी साथ में थीं। इस मुलाकात की तस्वीरें स्वयं सचिन ने सोशल मीडिया पर साझा कीं हैं। सचिन ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुलाकात की तस्वीरें जारी करते हुए इसे परिवार के लिए सम्मान की बात बताया। उन्होंने लिखा कि अर्जुन और सानिया की शादी का आमंत्रण प्रधानमंत्री को देकर पूरा परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है। सचिन ने युवा जोड़े के लिए प्रधानमंत्री के आशीर्वाद और उनकी सलाह के लिए भी आभार जताया। पोस्ट में पूरे परिवार के साथ प्रधानमंत्री की तस्वीरें और अर्जुन-सानिया के साथ एक विशेष तस्वीर भी शामिल थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्जुन और सानिया की शादी से जुड़े कार्यक्रम मार्च के पहले हफ्ते में शुरू होंगे। शादी की रस्में 3 मार्च से शुरू होने की संभावना है, जबकि 5 मार्च को विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा। शादी में केवल परिवार के करीबी सदस्य और दोस्त ही शामिल होंगे। समारोह मुंबई में आयोजित किए जाने की चर्चा है। सानिया मुंबई के जाने-माने कारोबारी रवि घई की पोती हैं। सानिया ने अपनी पेशेवर पहचान खुद बनाई है और कारोबार व शिक्षा दोनों क्षेत्रों में सक्रिय रही हैं।

बीडब्ल्यूएफ कार्यक्रम में भारतीय बैडमिंटन को नुकसान

सैयद मोदी टूर्नामेंट का दर्जा कम हुआ, दो सुपर 100 टूर्नामेंट हटाये गये

कुआलालंपुर । विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने भारतीय बैडमिंटन को करारा झटका देते हुए सैयद मोदी टूर्नामेंट का दर्जा कम किया गया है हालांकि इंडिया ओपन बैडमिंटन का दर्जा पहले जैसा ही रखा गया है। इसके अलावा भारत में होने वाले आयोजनों की संख्या को चार से कम करते हुए दो कर दिया गया है। इंडिया ओपन का सुपर 750 दर्जा बना रहेगा पर सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 का दर्जा घटाकर सुपर 100 कर दिया गया है जबकि विश्व टूर कार्यक्रम से गुवाहाटी और ओडिशा में आयोजित सुपर 100 टूर्नामेंट को बाहर कर दिया गया है। इन टूर्नामेंटों को साल 2023 में शुरू किया गया था। सैयद मोदी टूर्नामेंट साल 2018 से ही विश्व टूर सुपर 300 स्तर का टूर्नामेंट रहा है पर अब ये अगले सत्र से आठ सुपर 100 टूर्नामेंटों में से एक होगा।

इस टूर्नामेंट के स्तर को कम करने या ओडिशा और गुवाहाटी के टूर्नामेंटों को कैलेंडर से हटाने के पीछे के कारण विश्व संस्था ने नहीं बताये हैं। दिल्ली में आयोजित होने वाले इंडिया ओपन को 2023 में सुपर 750 का दर्जा दिया गया था जो बना रहेगा। वह अपनी ग्रेड दो, लेवल तीन स्थिति बनाए रखेगा और 2027-30 के नए चक्र में भी पांच सुपर 750 टूर्नामेंटों में शामिल रहेगा।अब नए बदलावों के तहत विश्व टूर की छह-स्तरीय संरचना में 36 टूर्नामेंट शामिल रहेंगे। इसमें टूर्नामेंट विश्व टूर फाइनल्स, पांच सुपर 1000 टूर्नामेंट, पांच सुपर 750, नौ सुपर 500, आठ सुपर 300 और आठ सुपर 100 टूर्नामेंट शामिल हैं। सुपर 100 टूर्नामेंट पहली बार मुख्य टूर में शामिल किये गये हैं। सुपर 1000 स्तर के पहले चार टूर्नामेंट होते थे पर अब इस स्तर के पांच टूर्नामेंट एशिया और यूरोप में रखे जाएंगे। इसमें एकल में 48 खिलाड़ी ग्रुप और फिर एलिमिनेशन चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि युगल में 32 जोड़ियों का नॉकआउट ड्रॉ रहेगा। हर सुपर 1000 टूर्नामेंट 11 दिन तक दो सप्ताहांत में चलेगा और इसके 1,095 मैच पूरी दुनिया में प्रसारित किए जाएंगे।

विश्व टूर में कुल वार्षिक पुरस्कार पूल लगभग 26.9 मिलियन डॉलर होगा। इसमें हर श्रेणी की पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की गयी है। अब सुपर 1000 टूर्नामेंट के लिए 20 लाख डॉलर, सुपर 750 के लिए 11 लाख , सुपर 500 के लिए 5.60 लाख, सुपर 300 के लिए 2.90 लाख और सुपर 100 के लिए 1.40 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि रखी गयी है। विश्व चैंपियनशिप में 2027 से ग्रुप चरण और फिर नॉकआउट चरण के मुकाबले होंगे। इसमें हर खिलाड़ी को कम से कम दो मैच खेलने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा, सुदीरमन कप फाइनल्स और थॉमस एवं उबेर कप फाइनल्स में अधिक टीमों को शामिल किया जाएगा।

अभिषेक पेट में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती

नामीबिया के खिलाफ खेलने की संभावना नहीं

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को पेट में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसे में उनका गुरुवार को नामीबिया के खिलाफ होने वाले टी20 विश्वकप मुकाबले में खेलना संदिग्ध है। अभिषेक टूर्नामेंट की शुरुआत से ही पेट दर्द की शिकायत कर रहे थे। भारतीय टीम को 15 फरवरी को पाकिस्तान से खेलना हैं। ऐसे में तब तक उनक ठीक होना जरुरी है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो ये भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा क्योंकि वह तेजी से रन बनाने के लिए जाने जाते हैं।

यूएई के खिलाफ पहले मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी कहा था कि अभिषेक के पेट में दर्द है। वह अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में भी फील्डिंग के लिए नहीं उतरे थे। अभिषेक शर्मा यूएसए के खिलाफ पहले मुकाबले में गोल्डन डक पर आउट हुए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार अभिषेक को पेट में संक्रमण हुआ है इसके साथ ही उन्हें बुखार भी है। रविवार को मुख्य कोच गौतम गंभीर के घर हुए टीम डिनर में भी वह ठीक नहीं लग रहे थे।

इसी कारण थोड़ी देर में ही वहां से चले गए थे। सोमवार को उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंगलवार को भी वह वहीं भर्ती रहे। फिलहाल टीम प्रबंधन उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। वहीं अगर अभिषेक फिट नहीं हुए तो संजू सैमसन को ईशान किशन के साथ पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाएगा। अभिषेक का नामीबिया के खिलाफ मुकाबला खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। ऐसे में ईशान किशन के साथ ओपनिंग करने का मौका सैमसन को मिल सकता है। सैमसन का चयन टी20 विश्व कप स्क्वॉड में पारी की शुरुआत के लिए ही हुआ था पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में बुरी तरह असफल होने के उन्हें पहले दो मैचों में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। अब अगर नामीबिया के खिलाफ उन्हें खेलने का मौका मिलता है तो वह बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। अभिषेक अगर नहीं खेलते तो ईशान पर तेजी से रन बनाने की जिम्मेदारी रहेगी। ईशान पिछले समय से काफी अच्छा खेल रहे हैं।

आज ओमान पर जीत के इरादे से उतरेगी श्रीलंका

सुबह 11 बजे से होगा मैच

पश्चीकल। श्रीलंका की टीम विश्व कप के ग्रुप बी के मुकाबले में गुरुवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर ओमान के खिलाफ जीत हासिल करने उतरेगी। इस मैच में उसे ओमान से सावधान रहना होगा। मेजबान बल्लेबाजों को बीच के ओवरों में अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना होगा। इस मैच में स्पिनर वानिंदु हसरंगा के बाहर होने से भी टीम के अन्य गेंदबाजों पर अधिक दबाव रहेगा। होगी।

हसरंगा हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। श्रीलंका को पहले ही मैच में आयरलैंड के खिलाफ 20 रन की जीत के लिए काफी प्रयास करना पड़ा था। सकारात्मक शुरुआत की। उस मैच में उसके बल्लेबाज स्पिनरों के खिलाफ काफी कमजोर नजर आये थे। आयरलैंड के स्पिनरों के सामने लंकाई बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। सातवें और 15वें ओवर के बीच एक भी चौका नहीं लगा सके। ओमान भी उसकी इसी कमजोर नस को दबाना चाहेगा। पिछले मैच में कामिंदु मेंडिस ने आखिरी ओवरों में 19 गेंदों पर 44 रन बनाकर श्रीलंका एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था। टीम उनसे इस मैच में भी वैसा ही प्रदर्शन चाहेगी। वहीं कुसल मेंडिस ने भी अर्धशतक लगाया। टीम को सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका और कामिल मिशारा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो अब तक रन नहीं बना पाये हैं। शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में विफल रहे।

हसरंगा ने आयरलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। चोटिल होने के बावजूद उन्होंने अपने चार ओवर पूरे किए और तीन विकेट लिए। उनकी जगह शामिल दुशान हेमंथा कैसा प्रदर्शन करते हैं ये देखना होगा। ऐसे में पहले मैच में भी तीन विकेट लेने वाले स्पिनर महेश थीक्षाना को अतिरिक्त जिम्मेदारी लेनी होगी। दूसरी ओर ओमान का को जिम्बाब्वे के खिलाफ आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ओमान के बल्लेबाजों को तेज गेंदबाजी और अतिरिक्त उछाल के सामने संघर्ष करना पड़ा। कोलंबो में उसके शीर्ष पांच बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये थे। कप्तान जतिंदर सिंह को पता है कि उनकी टीम को अगर श्रीलंका के सामने कड़ी चुनौती पेश करनी है तो उनके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा क्योंकि पिछले मैच में उसके गेंदबाजों ने अच्छा खेल दिखाया था।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:-

श्रीलंका:- दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंडु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, डुनिथ वेललागे, महेश थीक्षाना, ।

अर्शदीप नामीबिया के खिलाफ 4 विकेट लेते ही तोड़ देंगे अश्विन का रिकार्ड

अर्शदीप नामीबिया के खिलाफ 12 विकेट लेते ही तोड़ देंगे अश्विन का रिकार्ड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ होने वाले टी20 विश्वकप मुकाबले में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। अर्शदीप इस मैच में अगर चार विकेट लेते हैं तो वह दिग्गज स्पिनर आर अश्विन के भारत की ओर से विश्वकप में सबसे अधिक 32 विकेट लेने का रिकार्ड तोड़ देंगे। अभी अर्शदीप के नाम 29 विकेट हैं। अर्शदीप ने अब तक 15 टी20 विश्व कप मैच खेले हैं, जिनमें 29 विकेट लिए हैं। अर्शदीप ने 2022 में पहली बार टी20 विश्व कप खेला था। इसके बाद 2024 में वह विजेता टीम का हिस्सा रहे और अब अपना तीसरा टी20 विश्व कप खेल रहे हैं। टी20 विश्व कप में भारत के सबसे सफल गेंदबाज अश्विन रहे हैं। अश्विन ने 24 मैचों में 32 विकेट लिए हैं। वहीं ओवरऑल गेंदबाजों की सूची में अर्शदीप 19वें स्थान पर और अश्विन 13वें स्थान पर हैं।

साल 2007 से खेले जा रहे टी20 विश्व कप में अभी तक शीर्ष पांच में एक भी भारतीय गेंदबाज शामिल नहीं है। विश्वकप में भारतीय टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर जसप्रीत बुमराह हैं। बुमराह ने कुल 26 विकेट लिए हैं। वहीं चौथे नंबर पर 24 विकेट लेकर हार्दिक पंड्या हैं। रवींद्र जडेजा 22 विकेट लेकर पांचवें नंबर पर हैं। गेंदबाज बांग्लादेश के शाकिब अल हसन हैं. शाकिब ने 2007 से 2024 के बीच 43 मैचों में 50 विकेट लिए हैं। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा दूसरे स्थान पर हैं। हसरंगा ने 2021 से 2026 के बीच अब तक खेले 20 मैचों में 40 विकेट लिए हैं। पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी 34 मैचों में 39 विकेट लेकर तीसरे स्थान पर हैं।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से अन्य टीमों को रहना होगा सावधान - बिशप

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर इयान बिशप का मानना है कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया ऐसी टीमें हैं जिनसे उन्हें डर लगाता है। बिशप के अनुसार इंग्लैंड टीम की आक्रामण रणनीति और कौशल इससे अन्य टीमों से अधिक खतरनाक बनाती है। जैसे-जैसे मुकाबले आगे बढ़ेंगे ये और भी खतरनाक होती जाएगी। साथ ही कहा कि विश्वकप जैसे बड़े टूर्नामेंट में अनुभव, ताकत और सही रणनीति का सही प्रयोग किसी भी टीम को विजेता बना सकता है। इसलिए अन्य टीमों को उससे सावधान रहने की जरुरत है। इस पूर्व क्रिकेटर ने इस छोटे प्रारुप के अनुसार इंग्लैंड की तूफानी बल्लेबाजी, संतुलित गेंदबाजी और की प्रशंसा की है। बिशप के अनुसार, इंग्लैंड की टीम ऐसे क्षेत्रों में रन बना रही है, जिसमें पारंपरिक टीमें असफल रही हैं। बिशप के अनुसार इंग्लैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया से भी उन्हें डर लगता है क्योंकि वह कभी भी बाजी पलट देती है। उसके पास बेहतरीन बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। उनका मानना है कि इंग्लैंड के पास जबरदस्त पावर-हिटिंग क्षमता है और उनकी बल्लेबाजी बड़े चौके और छक्कों पर आधारित है। उसके कप्तान हैरी ब्रूक किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को बिखेर सकते हैं।

बिशप ने कहा कि लीग क्रिकेट के अनुभव से भी उसे लाभ हुआ है। इंग्लैंड की टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का बेहतर संयोजन है। उसके पास आदिल राशिद जैसे अनुभवी स्पिनर के अलावा जैकब बेथेल जैसे युवा खिलाड़ी हैं। ये खिलाड़ी बेखौफ होकर खेलते हैं ।

टी20 विश्व कप बहिष्कार का फैसला बांग्लादेश सरकार का नहीं क्रिकेट बोर्ड का था : नजरुल

ढाका। बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा है कि टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के बहिष्कार में सरकार की कोई भूमिका नहीं थी और ये फैसला पूरी तरह से क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने लिया था। इससे पहले बीसीबी ने कहा था कि वह सुरक्षा कारणों से भारत में विश्वकप नहीं खेलेगा। जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उसकी जगह पर स्काटलैंड को शामिल कर लिया। तब उस समय कहा जा रहा था कि टी20 विश्व कप में भाग नहीं लेने की बात सरकार ने कही थी और इसलिए बीसीबी ने नहीं खेलने का फैसला किया।

वहीं अब खेल सलाहकार के अनुसार ये फैसला क्रिकेट बोर्ड और उनके खिलाड़ियों का था। उन्होंने राष्ट्र के सम्मान के लिए विश्व कप तक को छोड़ दिया।वहीं गत माह जनवरी में खिलाड़ियों से मिलने के बाद, नजरुल ने साफ कहा था कि बांग्लादेश के विश्व कप में भाग लेने का फैसला सरकार के रुख पर आधारित रहेगा।

जनवरी में नजरुल ने मीडिया से कहा, -बैठक का मकसद बस खिलाड़ियों को यह समझाना था कि सरकार ने यह फैसला क्यों लिया। मुझे लगता है कि वे समझ गए थे। यही मकसद था और कुछ नहीं। मुझे लगता है कि हमें आईसीसी से न्याय नहीं मिला। हम विश्व कप में खेलेंगे या नहीं, यह पूरी तरह से सरकार का फैसला है। वहीं अब नजरुल ने कहा, विश्व कप में नही खेलने पर कोई दुख नहीं है।

यह फैसला बोर्ड और खिलाड़ियों ने लिया था, क्योंकि उन्होंने देश के क्रिकेट की सुरक्षा, लोगों की सुरक्षा और देश की इज्जत की रक्षा के लिए कुर्बानी दी थी। आईसीसी ने भी कहा है कि कोई प्रतिबंध नहीं लगेग और बांग्लादेश को आगे भी मेजबानी मिलेगी। ये हमारे बोर्ड के कड़े रुख की जीत है।

कलेक्टर ने भू अर्जन प्रकरणों की समीक्षा की

दुर्घटनाओं को रोकने के लिए चिन्हित ब्लैक स्पाटों का संबंधित अधिकारी स्थल भ्रमण कर रिपोर्ट दें - कलेक्टर

रीवा (कीर्तिप्रभा). कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने विभिन्न विभागों के भू अर्जन संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि विभागीय अधिकारी संबंधित भू अर्जन प्रकरणों में अवार्ड पारित होने की कार्यवाही करायें तथा धारा 11 व धारा 19 में प्रकाशन की कार्यवाही समय पर सुनिश्चित हो। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने धारा प्रकाशन के उपरांत भू अर्जन की कार्यवाही करते हुए संबंधितों को मुआवजा का भुगतान कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने आपसी रजहमति से भूमि अधिग्रहण के प्रकरणों में शीघ्र कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। बैठक में प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन शाखा को निर्देशित किया गया कि पोर्टल में प्रकरणों को दर्ज करें तथा सभी एसडीएम अद्यतन स्थिति से अवगत रहें। इस अवसर पर पीआईयू के 11, जल संसाधन, म.प्र. स?क विकास निगम तथा क्योंटो नहर के दो-दो, एनएचएआई के 4 सहित कार्यपालन यंत्री ल्योंथर नहर के भू अर्जन से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, सभी एसडीएम एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बाणसागर सभागार में स?क सुरक्षा समिति से संबंधित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि स?क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लगातार कार्यवाही करें। ब्लैक स्पाटों का संबंधित विभागीय अधिकारी स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि स?क दुर्घटनाओं की रोकथाम की उच्च स्तर से मानीटरिंग की जा रही है। अतः वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूकता अभियान चलायें तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगातार कार्रवाई करें। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि शहरी क्षेत्र में निश्चित स्थान पर ही बसों को सवारियाँ उतारने या च?ने की अनुमति हो तथा हाइवे व अन्य स्थानों में ट्रक व डम्फर नियत जगह पर ही ख? हों। उन्होंने निर्देश दिए कि चौराहों या स?क के किनारे किसी भी प्रकार के सभा स्थल या अन्य कार्यक्रमों के लिए अनुमति देने से पूर्व यह सुनिश्चित करें कि इससे आवागमन तो प्रभावित नहीं हो रहा है। उन्होंने स?क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु की डेथ ऑडिट कराने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, एडिशनल एसपी आरती सिंह, सभी एसडीएम, आरटीओ एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में आज से गौ कथा एवं गौ आधारित खेती पर कथा

आयोजन से गौसंरक्षण एवं गौ आधारित प्राकृतिक खेती व सनातन मूल्यों को मिलेगी नई दिशा - उप मुख्यमंत्री

रीवा (कीर्तिप्रभा). बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में 12 फरवरी से 14 फरवरी तक श्री जगदगुरू द्वाराचार्य अग्रपीठाधीश्वर एवं श्रीमलूक पीठाधीश्वर श्री राजेन्द्र दास जी महाराज अपनी अमृतवाणी से गौकथा एवं गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर कथा करेंगे। यह आयोजन प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि इस दिव्य आयोजन के माध्यम से गौसंरक्षण, गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं सनातन मूल्यों को नई दिशा और सशक्त प्रोत्साहन मिलेगा। गौ अभ्यारण्य परिसर में आयोजित होने वाली कथा अप्रतिम व भव्य होगी। उप मुख्यमंत्री ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त गौ भक्त एवं गौ कथा वाचक श्री राजेन्द्र दास जी की कथा का श्रवण करने का सभी से आह्वान किया है।

आचार्य श्री राजेन्द्र दास जी का उप मुख्यमंत्री ने किया आत्मीय स्वागत

रीवा (कीर्तिप्रभा) मलूक पीठाधीश्वर आचार्य श्री राजेन्द्र दास जी महाराज का हेलीकाप्टर द्वारा रीवा एयरपोर्ट में आगमन हुआ।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आचार्य श्री का स्वागत वंदन कर आत्मीय अभिनंदन किया। श्री राजेन्द्र दास जी महाराज तदुपरांत उप मुख्यमंत्री जी के अमहिया स्थित निवास पहुंचे जहाँ उप मुख्यमंत्री ने सपत्नीक आचार्य श्री का चरण पखारकर आशिर्वाद किया तथा महाराज जी को श्रीफल व गौमाता की मूर्ति भेंट की।

रोजगार मेला 18 फरवरी को गुरू वशिष्ठ आई.टी.आई. मऊगंज में

मऊगंज (कीर्तिप्रभा) युवा संगम कार्यक्रम के तहत कलेक्टर संजय कुमार जैन के मार्गदर्शन में गुरू वशिष्ठ आईटीआई मऊगंज में 18 फरवरी को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध मे उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 12 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 10000 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ते विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओं को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में आमंत्रनी बजाज ऑटो लि.मि. वाकन औरंगाबाद, आमंत्रनी धूत ट्रान्समिशन लिमि. पुणे, डी एण्ड एच सेचरीन इंदौर, आयसर ट्रक एण्ड बस पीथमपुर धार (म.प्र.), प्रभा बायोप्लांटस प्रा.लि. रीवा, प्रगतिशील बायोटेक प्रा.लि. रीवा, सिटी कार प्रा. लि. सतना, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा.लि. रीवा, सीआईआई-एमसीसी गुजरात, एससीएन स्मोबल प्रा. लि. दिल्ली तथा साई कॉल नेट प्रा. लि. नोयडा उत्तरप्रदेश में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

फरार आरोपियों पर ईनाम घोषित

मऊगंज (कीर्तिप्रभा) पुलिस अधीक्षक मऊगंज द्वितीय कुमार सोनी ने विभिन्न धाराओं में आरोपी व्यक्तियों की सूचना देने पर ईनाम घोषित किया है। उन्होंने आकाश गुप्ता निवासी वार्ड क्रमांक 18 चौकी खटखरी थाना शाहपुर पर 5 हजार रूपये एवं सत्रे ऊर्फ अलाउद्दीन खान निवासी घुरेहटा वार्ड क्रमांक 10 थाना मऊगंज की घताबाजी/दस्तयाबी पर 2 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया है।

अवैध परिवहन करते ट्रक जप्त

मऊगंज (कीर्तिप्रभा) जिला मऊगंज अंतर्गत कलेक्टर श्री संजय कुमार जैन के निर्देशन में सहायक खनिज अधिकारी द्वारा खनिजों के परिवहन करने वाले वाहनों की जांच की गई जांच के दौरान अवैध परिवहन में लिप्त ट्रेलर को जप्त कर कार्यवाही की गई।

फुटबाल प्रतियोगिता का समापन 13 फरवरी को

रीवा (कीर्तिप्रभा) . अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय स्टेडियम में अन्तर्विश्वविद्यालय पश्चिम क्षेत्र फुटबाल (महिला) प्रतियोगिता का आयोजन 9 फरवरी से जारी है। यह प्रतियोगिता अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के तत्वावधान में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का समापन मैच 13 फरवरी को दोपहर 1.30 बजे से शुरू होगा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल श्री दिनेश कुमार त्रिपाठी जी होंगे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल उपस्थित रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता कुलपति अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय प्रो. राजेन्द्र कुमार कुशवाहा करेंगे और विशेष अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विवेक कुमार सिंह उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के संचालक डॉ. रामभूषण मिश्रा द्वारा दी गई है।

मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत की गयी जांच

रीवा . मिलावट से मुक्ति अभियान के अंतर्गत कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर एसडीएम त्योंथर के नेतृत्व में संभागीय उ?प दस्ता प्रभारी अमरीश दुबे एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी साबिर अली द्वारा इलाहाबाद रोड चाकघाट स्थित ढाबों की जांच का अभियान आरंभ किया गया। जांच के दौरान सर्वप्रथम अन्नपूर्णा ढाबा चाकघाट की जांच की गई। ढाबे में गंदगी में खाद्य पदार्थों का संग्रह एवं विक्रय किया जा रहा था। ढाबे से दाल एवं चावल के नमूने लिए गए। इसके पश्चात चंदिया स्थित संगम ढाबा की जांच की गई जहां खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के अंतर्गत कोई लाइसेंस नहीं पाया एवं संचालक शिवलखन यादव द्वारा खुले में खाद्य पदार्थों को तैयार करके रखा जा रहा था एवं किचन में अत्यधिक गंदगी पाई। संचालक के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है। जांच के दौरान मिश्रा ढाबा गंग तीरा की जांच की गई जांच के दौरान पनीर एवं ख? धनिया के नमूने शंका के आधार पर जांच हेतु लिए गए हैं पूर्व में भी महाकुंभ के दौरान मिश्रा ढाबा से लिया गया दही का नमूना अब मानक पाए जाने से प्रकरण न्यायालय मे विचाराधीन है।

उप मुख्यमंत्री ने पं. दीनदयाल उपाध्याय को किया नमन

रीवा उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर उनकी पुण्य स्मृतियों को नमन किया। उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल चौराहा स्थित पं. उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

संयुक्त अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय हुजूर में कैंटीन संचालन के लिए आवेदन आमंत्रित

रीवा (कीर्तिप्रभा) संयुक्त अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय तहसील हुजूर में कैंटीन संचालन के लिए इच्छुक व्यक्ति/एजेंसी से आवेदन 20 फरवरी को शाम 4 बजे तक आमंत्रित किये गये हैं। प्राप्त आवेदनों को गठित समिति द्वारा 23 फरवरी को शाम 4 बजे खोला जायेगा। इस संबंध में विस्तृत विवरण तहसीलदार एवं उपाध्यक्ष भवन रखरखाव प्रबंध समिति तहसील हुजूर कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

मछलीपालक किसानों को मिलेगा बीमा योजना का लाभ

कृषि बीमा योजना से मछलीपालक किसानों को मिलेगी आर्थिक सुरक्षा

रीवा (कीर्तिप्रभा). प्रधानमंत्री मत्स्य कृषक समृद्धि सह योजना के अंतर्गत मछलीपालक किसानों और मछुआरों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। मछलीपालक किसानों और मछुआरों को बीमा योजना का लाभ दिया जाएगा। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में गत दिवस आयोजित बीमा जागरूकता कार्यक्रम में उप संचालक मछलीपालन विभाग डॉ. अंजना सिंह ने बताया कि जलीय कृषि से जु? किसानों के लिए बीमा योजना सुरक्षा कवच का कार्य करेगी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत नेशनल फिशरीज डिजिटल पोर्टल पर बीमा उत्पाद उपलब्ध कराए गए हैं, जहां मछलीपालक किसान ऑनलाइन पंजीयन कर बीमा खरीद सकते हैं और सीधे एकमुश्त प्रोत्साहन राशि का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। जिले में मछली पालन को संगठित, सुरक्षित और लाभकारी बनाने के लिए विभाग निरंतर प्रयासरत है। जलीय कृषि बीमा योजना से न केवल मत्स्यपालकों का जोखिम कम होगा, बल्कि जिले में मत्स्य उत्पादन को भी नई दिशा और गति मिलेगी।

बीमा जागरूकता कार्यक्रम राष्ट्रीय मत्स्यकीय विकास बोर्ड हैदराबाद द्वारा निर्देश के अनुपालन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से मत्स्यपालकों को योजना के तहत लागू मत्स्यपालन बीमा योजना की विस्तृत जानकारी दी गई, जिसका उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं, रोग अथवा अन्य जोखिमों से होने वाले नुकसान की भरपाई कर मत्स्यपालकों को वित्तीय संबल प्रदान करना है। कार्यक्रम में एनएफडीबी के विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन वेबिनार के माध्यम से बीमा योजना की प्रक्रिया, शर्तें और लाभों की विस्तार से जानकारी दी गई। मछलीपालक किसानों को बताया गया कि योजना के अंतर्गत बीमा प्रीमियम का 40 प्रतिशत भाग भारत सरकार द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप वहन किया जाएगा। प्रति किसान अधिकतम 4 हेक्टेयर जलक्षेत्र तक बीमा पर प्रोत्साहन देय होगा, जिसकी अधिकतम सीमा एक लाख रुपये निर्धारित की गई है। योजना के तहत मछलीपालक किसान अपने तालाब, केज कल्चर, बायोफ्लॉक, आरएएस जिनमें मछलीपालन किया जाता है, उसके स्ट्रेक्चर सहित का बीमा करा सकते हैं। जो किसान इस बीमा योजना का लाभ लेना चाहते हैं वे विस्तृत जानकारी के लिए मछलीपालन विभाग अथवा एनएफडीबी के टोल फ्री नम्बर 18004251660 पर फोन कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान मत्स्यपालकों को एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीयन एवं बीमा कराने में सीएससी अधिकारियों का सहयोग लेने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि अधिक से अधिक किसान योजना का लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में जिले के चयनित मछलीपालक विशेषकर झींगा एवं उन्नत मछलीपालन से जु? अनुभवी किसान स्टाफ, सीएससी अधिकारियों की उपस्थिति रही।

संकल्प से समाधान अभियान में अब तक 35627 आवेदन पत्र दर्ज

अभियान में आमजनों के 21242 आवेदन पत्र मंजूर

रीवा (कीर्तिप्रभा). आमजनता के आवेदन पत्रों का निराकरण करने तथा विकास योजनाओं की पात्रता के अनुसार आवेदन पत्र भरवाने के लिए संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है। जिले भर में यह अभियान 12 जनवरी से 31 मार्च तक चार चरणों में चलाया जा रहा है। अभियान के प्रथम चरण में नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायतों में शिविर लगाकर आमजनता से आवेदन पत्र प्राप्त किए जा रहे हैं। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि अब तक संकल्प से समाधान शिविरों में आमजनता से 35627 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 21242 आवेदन पत्रों को स्वीकृत किया गया है। विभिन्न कारणों से 1181 आवेदन पत्र अस्वीकृत किए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्र में लगाए जा रहे शिविरों में विकासखण्ड जवा में 4453, विकासखण्ड रीवा में 9355, विकासखण्ड सिरमौर में 8093, विकासखण्ड गंगेव में 6977, विकासखण्ड त्योंथर में 2852 तथा विकासखण्ड रायपुर कर्चुलियान में 1663 आवेदन पत्र दर्ज हुए हैं। शहरी क्षेत्रों में नगर निगम रीवा में 1604, नगर परिषद बैकुण्ठपुर में 56, नगर परिषद चाकघाट में 128, नगर परिषद डभौरा में 91, नगर परिषद त्योंथर में 80, नगर परिषद गु? में 79, नगर परिषद मनगवां 34, नगर परिषद गोविंदगढ़? 31, सेमरिया 75 तथा नगर परिषद सिरमौर में 56 आवेदन पत्र दर्ज किए गए हैं। इन आवेदन पत्रों का निराकरण भी किया जा रहा है। शिविरों में सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आयुष्मान कार्ड, संबल कार्ड, नामांतरण, बंटवारा, जमीन के पट्टे, अतिक्रमण हटाने, साफ-सफाई, स?कों में सुधार, वीपीएल सूची में नाम शामिल करने, खाद्यान्न पर्ची तथा अन्य आवेदन प्राप्त हो रहे हैं।

जिला आयुष मिशन सोसायटी की बैठक संपन्न

बसामन मामा, भैरवनाथ मंदिर एवं गोविंदगढ़? में खुलेंगे वेलनेस सेंटर

रीवा (कीर्तिप्रभा). जिला आयुष मिशन सोसायटी की बैठक कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिले में पर्यटन क्षेत्र में असीम संभावनाओं को देखते हुए आयुष सुविधाओं के विस्तार के उद्देश्य से बसामन मामा, भैरवनाथ मंदिर एवं गोविंदगढ़? में वेलनेस सेंटर खोले जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी। उक्त तीनों स्थानों में 10 विस्तर का आयुष चिकित्सालय खोला जायेगा। बैठक में जिले के 20 जीर्ण-शीर्ण भवनों में संचालित आयुष औषधालयों में के लिए नवीन भवन निर्माण एवं 5 ग्रामों को आयुष ग्राम के तौर पर विकसित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी।

रीवा-सीएसएमटी स्पेशल का जून-2026 तक विस्तारित

यात्रियों की सुविधा और यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से भोपाल मंडल के इटारसी होकर रीवा-सीएसएमटी-रीवा के बीच दिनांक 26.02.2026 तक संचालित होने वाली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे दोनों दिशाओं में 17-17 ट्रिप बढ़ाए गए है। अब यह स्पेशल गाड़ी रीवा से प्रत्येक गुरूवार 26 जून तक तथा मुम्बई (सीएसएमटी) से प्रत्येक शुक्रवार 27 जून,2026 तक चलेगी । गाड़ी संख्या 02187 रीवा-सीएसएमटी स्पेशल ट्रेन गुरूवार रीवा से 15.50 बजे प्रस्थान कर इटारसी 23.20 बजे आगमन कर अगले दिन 12.20 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुँचेगी इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 02188 सीएसएमटी-रीवा स्पेशल ट्रेन शुक्रवार छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 13.30 बजे प्रस्थान कर इटारसी अगले दिन 01.15 बजे आगमन कर सुबह 09.45 बजे रीवा पहुँचेगी। ठहराव स्टेशन- सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी, हरदा, खंडवा, भुसावल, जलगाँव, मनमाड, नासिक, इगतपुरी, कल्याण, दादर क्रोच संरचना-1 वातानुकूलित प्रथम श्रेणी,1 वातानुकूलित टू टियर, 4 वातानुकूलित-थ्री टियर, 12 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 2 द्वितीय श्रेणी-सह-गार्ड की ब्रेक वैन सहित कुल 24 कोच इस स्पेशल ट्रेन की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.इन्डियनरेल.जीओवी.इन पर जाएं या एनटीईएस ऐप से प्राप्त कर सकते हैं।

प्रदेश सरकार केंद्र के समान महंगाई भत्ता देने की कर रही तैयारी

मप्र के कर्मचारियों का बढ़ेगा डीए!

- रीवा/भोपाल (कीर्तिप्रभा)

साढ़े 7 लाख कर्मचारियों का महंगाई भत्ते को लेकर इंतजार जल्द खत्म होने जा रहा है। राज्य सरकार इस माह कर्मचारियों को 3 फीसदी महंगाई भत्ते की सौगात देने की तैयारी कर रही है। इसके बाद प्रदेश के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता केन्द्र के समान 58 फीसदी हो जाएगा। कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाए जाने का ऐलान राज्य सरकार ने दीपावली के पहले ही कर दिया था। माना जा रहा है कि बजट के पहले राज्य सरकार महंगाई भत्ता दिए जाने पर फैसला कर सकती है।

मप्र सरकार ने अप्रैल 2025 को प्रदेश के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता केन्द्र के समान 55 फीसदी करने का ऐलान किया था। इसका ऐलान मुख्यमंत्री ने राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रांतीय सम्मेलन में किया था। घोषणा तो हुई, लेकिन इसके आदेश पूरे साल खत्म होने तक नहीं निकल सके। हालांकि अब राज्य सरकार 16 फरवरी से शुरू होने जा रहे बजट सत्र के दौरान इसे लेकर अंतिम फैसला कर सकती है। इसको लेकर वित्त विभाग तैयारी कर रहा है। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के पदाधिकारी उमाशंकर तिवारी कहते हैं कि महंगाई भत्ते को अमल में लाया जाता तो कर्मचारियों को केन्द्र के समान महंगाई भत्ता मिलने लगता, लेकिन घोषणा के बाद भी इसके आदेश नहीं निकाले गए। केन्द्र सरकार भी जल्द ही अपने कर्मचारियों को महंगाई भत्ता दे सकती है। इसके बाद प्रदेश के कर्मचारी महंगाई भत्ते के मामले में और पिछड़ जाएंगे।

कब मिलता है महंगाई भत्ता

मप्र के कर्मचारियों को केन्द्रीय कर्मचारियों के बाद ही महंगाई भत्ते का लाभ मिलता है। केन्द्रीय कर्मचारियों को साल में 2 बार महंगाई भत्ता दिया जाता है। आमतौर पर यह 1 जनवरी और 1 जुलाई से प्रभावी होता है। पहला महंगाई भत्ता जनवरी से मार्च के दौरान और दूसरा सितंबर से अक्टूबर के दौरान दिया जाता है।

प्रदेश में कब-कब बढ़ा महंगाई भत्ता

राज्य सरकार साल में 2 बार सरकारी कर्मचारी और अधिकारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोत्तरी करती है। देखा जाए तो पिछले 4 सालों में कर्मचारी-अधिकारियों के महंगाई भत्ते में करीबन 35 फीसदी की बढ़ोत्तरी हो चुकी है। 21 मार्च 2022 को कर्मचारी-अधिकारियों के महंगाई भत्ते में 11 फीसदी की बढ़ोत्तरी की गई है। इसके बाद यह बढ़कर 20 से 31 फीसदी हो गया था। 22 अगस्त 2022 को महंगाई भत्ते में 3 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई थी। इसके बाद यह 31 फीसदी से बढ़कर 34 फीसदी हो गया था। 27 जनवरी 2023 को कर्मचारी-अधिकारियों का महंगाई भत्ता 4 फीसदी बढ़ाया गया। यह बढ़कर 34 से 38 फीसदी हो गया। 19 जुलाई 2023 को फिर महंगाई भत्ते में 4 फीसदी की बढ़ोत्तरी की गई। यह बढ़कर 38 से 42 फीसदी पहुंच गया।14 मार्च 2024 को महंगाई भत्ते में 4 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई। यह 42 फीसदी से बढ़कर 46 फीसदी हो गया। 28 अक्टूबर 2024 को महंगाई भत्ता फिर 4 फीसदी बढ़ाया गया और यह बढ़कर 50 फीसदी हो गया। 8 मई 2025 को राज्य सरकार ने महंगाई भत्ता 5 फीसदी बढ़ाया और इसके बाद यह बढ़कर 55 फीसदी पहुंच गया।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।